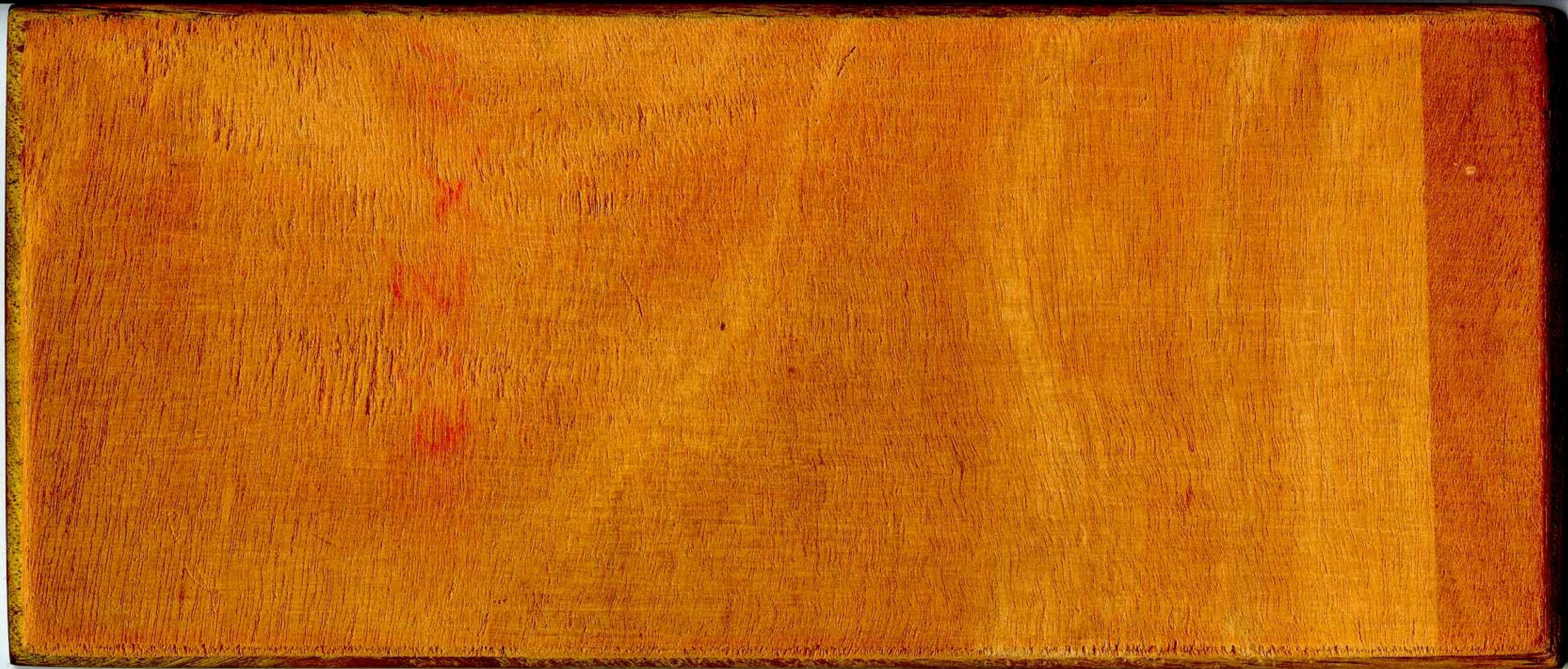






तुल्यं ॥ गितं राधा रुवयसा नस्य मृत्यु रविष्यति ॥ ७ ॥ लानां नातिना ॥ १५ ॥ मृडयाय धवागी मृत्यु इयु ॥ १६ ॥
 ॥ अत्रुवती धव चैव विस्मृणो लियदा निव ॥ अयुहि नानय ग्यानि वरुथ माह मपुन ॥ अत्रुवती रुव जिद
 धव गौ नागा य इहान ॥ धवार्म धाय दं ह्या गाल कामाह मपुल ॥ १७ ॥ धवम काग वा मिसन सुदिया दान नः
 नगान धन खनि द्वा तदा व सीयु ॥ ८ ॥ ॥ डि का द्वा द्वा रुवयसा मुरव वी कम मा नृ ॥ १८ ॥ डि द्या ल द
 लीया सा नस्य मृत्यु रविष्यति ॥ १९ ॥ गवन प्रागिया म हा कच ॥ द्या ल द्वा द्वा मन डि का ॥ २० ॥ वृ वि म व
 इयु रुदि द्वा का या त ड म दायु धवागि म्वा च कम इ ॥ २१ ॥ कृ पु ल नी वि द्वा न य सा वा ता दा
 न निव वेन ॥ आ हा न द द्वा न य सा सव व न वि न स्या नि ॥ ना ति स य ठ ल व वा न न आ हा न वी व या त दा व अत्र
 या का म इ न दा व दं वि न द्वा सि यिव ॥ २२ ॥ धा ना वि द्वा स म य वे य नी ता व मं ही त ल स द्वा हा जा य न म
 नि स ह न न स लो द्वा नि थ श ल वा ला य मा र्थ थ श म रु स द्वा द्वा रं दा व ॥ २३ ॥

नसाद्याली धुपीयकयमालय ॥ कलनमयुत्यं गजिलविद्धिदननूयमादवलदाव धूलः नहासि
 ॥ १२ ॥ सगकायापुवर्षस्य वहुनाश्वाससयुत वावलययलितानिध मासमकं जीवान् ॥ याधुक्
 वसुधायामथहीनशस्य सात्रय धादण वनकीनयादवनदाव लद्धिनहाणीय ॥ १३ ॥
 ॥ १४ ॥ सोम्यद्विरुवद्यस्य ॥ १५ ॥ मिखासिनाल ॥ १६ ॥ गोवद
 शनाल ॥ धमगिताधख ॥ १७ ॥ यागियादोधरुवइह्य दाघतल्यमवस्युतः ॥ १८ ॥ काकामलगाणि सना
 गीनदिनस्यगिनाटला लाभा रुयुगवतमद भसालदास्यनायुधनागीमणीम ॥ १९ ॥ निडासागीरव
 द्यस्य गजीलं डरुमगथा ॥ २० ॥ द्वियातिधुगत्रानि सभागिनदिनस्यगि ॥ चाक्रउदा गजीलमनल ॥ २१ ॥

हिसमस्तं गजदं व अर्थं हतं स आगी नी यमरुग ॥ ३ ॥ स्यादहिना हतं यस्या नागा स्वासवर्तनं यवी ॥
मिकरुदीनस्य सवागीमविनस्यामि ॥ हतं स वलनि र्वाद्यीनमवु स्वासक्राणनवद्वनयू ॥ ग्लान्नाल ॥ ४ ॥ स्या
उमड ॥ धन ॥ गि ॥ यमरुग ॥ ४ ॥ यमनसिकनयस्या गन्धस्वादसूदरुवह ॥ कमाद्युनिगकाशुस्या स्या
वना ॥ स्या ॥ य ॥ यनना आदि ॥ न गन्धस्वादस्वाकानं यरुगाल कोथसथवकालानं वरुनय
गाल धन ॥ गी ॥ य ॥ य ॥ ५ ॥ नायडरिषडीवाधुर् स्वत्याखालीधनयुच ॥ ६ ॥ रिषवा रु
वयस्या सुडाविनागसंगम ॥ ७ ॥ डासन नायवचन अल्युन्नलधनमयाक खेद्यनरुजान
आगीनी यमरुव ॥ ८ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

मम लब्धं खड्गं तस्मात् त्वं मम स्वयं दातुं बालं धिक् न कृमि चिद्वत् ॥ १५ ॥ विषमं कृतं या नित्यं
न तत्कालं वागं विदुः कदा कदा ममः ॥ १६ ॥ या विवाहं गीतं सानिध्यात् पृथक् ॥ वागनं यथाचितं
यथाचितं यिह न कदाचन न वदन् ॥ १७ ॥ या न कदाचन न वदन् ॥ या कदाचन न वदन् ॥ सानिध्यात् गीतं वा
य ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥
या कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥
वागं यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥
या सन् ३५ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥
॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥
॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥
॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥ ॥ यिह न कदाचन न वदन् ॥

१०

[illegible]

[illegible]

लोकि म० ६ रवाहुलंख विमयकृद थुतकानस्य कायउगथायुधमीमानक सुथसुथसुदुतागादविक
नाग॥ मिदिस विमिलि युकाशाल वसवाचन जिनिमूरु लवदखव उगउधनम॥ वाज आदग
मसने २ साखनम ३ कस्तीनवानम॥ वान विवुनाग॥ रुठसवानयाव कासमथीद विवुनाग॥ रान
वठियालहा कादुकानधयाव वमठिसवस्य विवुनाग॥ काकउयनहा नायुकायउ
सयाउवस्य विवुनाग॥ रुका जिनिगाउठानका विवुनाग॥ युयुलि रुनउनिमू आय
वउका पुका वूठ धनसमहाग धनणवान धूयका वाचका विवुनाग॥ श्रीखपुम ३ इहा
लरु ३ मिदिस ३ साखलकृतायादिउ विरुनवव माठस्याका विवुनाग॥ यालाठवनि विरुला
निमू मिदिस मूरु एला जिनिआदग साहान साखीनकृतायाडाउ विरुनवव विवुनाग॥
॥ खपुसाहान मूरु एदि युयु आदग लवदखव विमिलि जिनिरुत जिनि साखलकृता

साधु विरुद्ध जगत्पुनः ॥ यालाउवाते ॥ कालवास ॥ रुनद ॥ अविन ॥ मनव ॥ मदि ॥
यि ॥ ३ निम्ब ॥ साख ॥ खैलदा ॥ विक्रमायना ॥ ॥ यद्येतावत् ॥ विविधाल ॥ साखल ॥ लंखन ॥ सा ॥

गायदालना ॥ ॥ उगाठहा ॥ वउयय ॥ यमूनि ॥ ॥ अलंठहा ॥ वासावननस्य ॥ क्रैस ॥ मादग ॥ पाय ॥ गायनावत
दिदिग्व ॥ ॥ श्रीखैल ॥ उगाठहा ॥ ययुकिगल ॥ लंखननस्य ॥ तानक ॥ इंदय ॥ गायनावना ॥

॥ गालकील ॥ साखल ॥ लंखस ॥ ॥ सादानादग ॥ स्वाकन ॥ लं ॥ ॥ ययुकिगल ॥ लंखननस्य ॥ तानक ॥ इंदय ॥ गायनावना ॥ ॥ १२
॥ सादानादग ॥ स्वाकन ॥ लं ॥ ॥ ययुकिगल ॥ लंखननस्य ॥ तानक ॥ इंदय ॥ गायनावना ॥ ॥

अथागंवि ॥ गि ॥ ला ॥ गुठगु ॥ वसीलंखननस्य ॥ क्रैसलयनय ॥ यिरुदालना ॥ ॥ अविनसावन ॥ नस्य ॥ यल
नगललास्य ॥ ॥ साखल ॥ अगिनाय ॥ दादसलिग्व ॥ ॥ ॥ अमृतरुददव ॥ ॥ अमृतरुददव ॥ ॥ अमृतरुददव ॥ ॥ धर्म

कलकाथाय ॥ ॥ ॥ ॥ अलनरुगिल ॥ ॥ गलमल ॥ मुद्रमुद्र ॥ ॥ तदाम ॥ सदादद ॥ माननना ॥ सा

येन ॥ हस्तवर्गं चित्तामलाका चित्ताय चित्ताय ॥ १ ॥ निवाणवाञ्छकाव
ध्यातव्याका सवददव धुनवातनइवधुन ॥ २ ॥ विरुसिर्गहाविर्गहादिना ॥ लसुगुच्छादंरुको
यधर्न ॥ विरुसइवधुनया ॥ ३ ॥ धाडु हीकादव चित्ताय लुगुठमधुनिव ॥ लयु अयाकाइव अयाम
सककुचइव ॥ ४ ॥ एवकासा
ल ॥ अयिका खययलधि ॥ ५ ॥
या ॥ ६ ॥ वनारुसहमसाव
रुव ॥ कायादाकाथी लासलागीथिदंगा ॥ सवधुयदयका ॥ ७ ॥ धुनवातनइवधुन ॥ ८ ॥
॥ नरेलोदे ॥ ९ ॥ वायावातेवक्रिमाविम्यजका ॥ १० ॥ कावृगहाकाकयनस्यनद ॥ नइव
कावाकनकीयका ॥ ११ ॥ विविदिमिषाचिदा ॥ निगवम्वानवववागिसान ॥ १२ ॥ काका

...नमो भगवते वासुदेवाय ...
 ...सर्वदा ...
 ...नमो भगवते वासुदेवाय ...
 ...नमो भगवते वासुदेवाय ...

श्रीश्रीदावायाल संभूमलाद्यः।

गीर्णमदीना यहनियाहः

॥ गवो लयन् गजनावनि गजद्विधाव काठयुः यमि स्याकान नंद धआमाती मानल यं युगात्

५१ ॥ ३ ॥ ७ ॥ निःशान आचिकित्सा ॥ हिन्दु मंस ॥ विदिति २ मनव ३ नाश ४ ॥ १ नि ४ व ५ ॥ १ ४ यम

निरुद्धं च वनका १ कृष्णं चानया ४ कसलाणीसर्वगतं निगसर्वदेव धंसर्वदेव रुस्यमा ४ मं ३

नानावर्णं नेकासः सानयानि मूलायनं बद्धमनं वदन्ति । १३

वेद थवथवथानसवाउमव्वव नसनकलादि सजगथा

काठयु, यमिस्थाकाननं दध्यामातीमानल येयुगाह

मंसः अविदितिश्मन्वचश्चासासः ॥ निष्ठं दृष्ट्वा श्रीः यम्

सलापीसर्वगत निगसर्वदिव धिसर्वदिव रुस्यमाह म३

अजिप्र अग्नि सान या घन

वान अग्निमंठस वागस सुलव आनाउस व्यगस्यान कयनागस धिमाउवल धिवायस अनीसा
 नस (स) धास धनस लिख ॥ रुटस चाले ननस गानका साखन रुनठ विधिलिः हिगु सावाचुल सिम
 नस दागालिखस रुस गानका अनीसान नास ॥ विधिलि मी ५ विधिलामूल ५ वनका रुस रुस
 ५ यमसखाल ५ यालागी प्ररध वृक्ष २ चाठनेमाया अजिन अगिसान या घन ॥ हिः
 पुमं १ पुठि ३ पुका माल ३ वावा काठि ॥ कासी वाठ काव रुसि मि
 गीन नस कासी वृठ गानका व्यगनायनाग ॥ वनका सुवाचुन चाल विधिलि वडि सुदाव धा
 चालिखस रुस गानका मंठ वाव व्यगनायनाग ॥ दवदाव रुट गगपुष्ट हिगु स्याता यमसख
 न धिवायस रुस गानका व्यगसलयन ॥ पुठि सुवाचुल जिनि हिगु विधिलि पुका माल काव

अगिसान या अजिप्र या रुस

लखलख सोनानवा धीतयायनाग साहानिनिहल लख समराग वाहलख मरुमनाग
धीतयायनाग ॥ सुवाकल मजव रुकठमिधालि धीतयायनाग वच हिय समराग वाकलख
सकास्यताठ धीतयायनाग ॥ ॥ वाहलखाल मग धनि लवनिस वालनस्य धीतयायनाग ॥ ॥
कठसिंकाव अविधू स्यधूमगव नी लवनिसवाननस्य धीतयायनाग ॥ ॥ अम्वधू लसा
जन रुदु मव वालधनिहान काइवा अमीयग मरु पाठ धीतयायनाग ॥ ॥ अम्वधू लसा
मंउमान धीतयायनाग ॥ ॥ धीतयायनाग ॥ ॥ अम्वधू लसा
वालनस्य धीतयायनाग ॥ ॥ कविवाल कारुवाउरुला अविधू धनसमरागयाठ दुवाकलमान
नस्य नमंउ धीतयायनाग ॥ ॥ रुदु मव अमीयस कविवाल मरु समराग वनीगीसकास्यताः
नमंउ धीतयायनाग ॥ ॥ रुकठ धीतयायनाग वाल अम्वधू धननवधि पाठानवधि मरु १४ मरु

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मन्त्रसाधन ३ धनिष्ठान ३ गुण ३ पुष्पकसलागीसकस्य भाठ हिन्दु, यो न च विनिष्ठा नान्य
न, यथैकमल इइडास्यगाठ अर्गनास ॥ कवितास्य न कवितास्ववासनताग, वसा मार्गसिगत त
नाग ॥ रियरुता माहजठिवा, स्वखुन धसान वल अर्ग अयाम ल्पकानाग ॥ लवदुत्तन धनकाः
हा धनिष्ठानस्य मार्गसिथिठ अर्गनास ॥ नलघुत हा, लखिननस्य गाठ अर्गनास ॥ हाः
द्वेगा, लखिननस्य धलनवावः
ला, रथ्या काया आठ, दाहनवा
धलनवातन, दानमयायस्य, नस्य अर्गनास ॥ गिलिठव, खाटावाकव, नस्य, मागसतल अर्गनास
॥ डहाल सिमनस गुन्वाठ कामलमलाधि धनसमतागचूनयाठ, मसइइसकस्यगाठ, मीड साखन
वताल धनगीधन अर्गनास ॥ न ३ मदापः दीगवनाध, नाठिमदागदाहवत ॥ अग्निमदवा

॥ यथा किं दीन इत्यादि मन्त्रादौ स्वर्गान्न संनिवृत्तं ॥ लघ्वी वदने दीप्यन्तु रुद्रावगवगिरिवत् ॥ दीप्यन्ति
 नडाण ॥ नाडिलघुयादौ वगनवहनयय ॥ सुखितस्याष्टिनाहया ॥ गदावकौ यावगीजिना ॥ गन्धिल
 स्वथ इवमानाडी ॥ मित्रयमशयुषीलन संनिवृत्तं ॥ वयला इधितयस्यास्या ॥ ह्यस्यावहने मित्र ॥ इ
 धानयितुनयुयानाडि वास्य सीमि
 मन्त्रस्तीक्ष्ण ॥ धविषम ॥ समवगिरिव
 दानि ॥ तीक्ष्णानि ॥ विषमाणि ॥ समाणि
 सामादौ नसा ॥ समाणि ॥ धृतिथ्या अत्रिकम ॥ यत्रियानिनययशना ॥ अजीर्णमामविरुद्धं ॥ विदग्धययदिनि
 न ॥ ॥ विसौ चाल सको गस्मा इव द्यानि विली विदा ॥ अजीर्णमामविरुद्धं ॥ अमवान् धृति स्वेष्टे वाव ॥ यिलययहः
 नय ॥ ॥ यथा दका चूडू यादौ ध्येन सागा ॥ अमवान् धृति स्वेष्टे वाव ॥ यिलययहः ॥ वाहिनिनार्थयाद ॥ विदग्धययदिनि ॥

वेद्य ॥ ॥ धर्तिया विविता नाम उक्तुजिनि यमनि स्वाधा समसग हिउ अट शंज वृधुमाड हिल
नत्राल कके जाथं दधयमक वमनस्य अजिर्नान ॥ धडा सनयानाम हि सत क ॥ ॥ हिउ स्वय
मुद्राने उवा समसग वृनयादन रुसअजीपुसलिन ॥ साहान ह्युठि वृनयादमं द धमिलान वृमला
द्वयवां दायाल वसदास्यमा दअजीपुनागो ॥ दएपायनहा अयामार्गहा साहविहा
विवानक मं दवाव धाटगूठअ जीपुनाग ॥ काइका मालिणी मं द वाडालर वसदास्यमाद ॥ ११
दअजीपुनाग ॥ ह्युठि धियिलि संध दगा वृदिनाय दस्यमान यार्व मूल ददय मूल वा
स्वात अजीन विवा नग ॥ अगका द ह्युठि धियिलि बाल स्वाधा कलुका यानु रुलठ समसग
मं र स्वय वृय स्वसागन वृकाग दयान हासनाद काग दास अतिसान वागमुत्त अजिन लुहठ
याव अत्ता कानावस सिद्ध ॥ कावाउदावगाउ ४ मनवमं ४ यगमं ४ धियिलि ४ यगवा मनव

२ विहसि रवा वि

लोचनं नाव, धनं धीशुगर्वा नयाव, गनक, धाधनी, दादाहासननार्थं गलयाव, लंखद्वयं यतयावना
 हनयाथ नय, ठाकनदाव, हनद्धिवाव, मानक, लाठावेन, धनडा, पुनव ल, नस्य, लंखो, स्याका, अवन
 पितृ, कनसऊठी, धुत, द, द, धेडासनयानाम, वृहत्सियादिवाय ॥ धिंधिलि, मं, धुं, १०, ११, धुगयाइगा
 नद्धिसाधन, नर्मेश्वान, कालिन
 धन, अग्निमदनाग, ॥ यमनि
 धलनवाल, धुह, धाधुडिजावान,
 संध, गीडि, समरुग, धनिगीसहादगाह अग्निमदयनिशका, ललिद, ॥ धिवाइ, स, धनकाह, कन
 समरुग, काकालिहसका, धान, म, अग्निमदनाग, ॥ ठहलिसंधि, सम, हियु, न, यमनि
 लि, नमसका, धन, धाधु, धानयाह, धलिगीलनव, धाकालिहसका, धान, धानवर्ग, धानवर्ग

तस्मात्तु यवतः ॥ १० ॥ नुला, विषलिधनं ॥ ११ ॥ सश
सुगाड, रुसधायना ॥ १२ ॥ तिरुना, धनसमकाग, धन, ककिनवान
नकं, धायना ॥ १३ ॥ मगान, कमाल ॥ मनव, गूठठावनयाड, काकलंरु
सकस्यगाड, वातवायु ॥ १४ ॥ नागा ॥ १५ ॥ मंस, गूठठावन, मंस ॥ १६ ॥
काल, गानधन, रुसस्य ॥ १७ ॥ ग्रामवात, धायसकिं ॥ १८ ॥ धिमूनि, स
॥ १९ ॥ दिग, यवसखान, स्व
सवाकूल, दलठ, धानमाड, धसंभव, काकलंरुसवृठव, रुस्यगाड, वात
धायना ॥ २० ॥ धवल, ताम, सावन, लखननस्य, कसका, कूगाड, धितवायु,
नागा ॥ २१ ॥ सुवाकूल, यवसखान, वव, ककुक, दलठ, दितकदा, वनयाड,

[illegible]

नववा नाद योतस्यालसिन्धु ॥ स्यात्तु यथायाल वडिडावा साखल धन नस्यताद धिर्लक्ष्मणादुल नः
कायिरुस अलिवालसालिन्धु ॥ इहला ३ यमुनि स्यात्तु रुनठ दिरि वान रुन नवयितस्यालसिन्धु ॥ ३
कादु यमुनि रुनठ वासियठि स्यात्तु वून यथा स्यालसिन्धु ॥ इहपुमं २ पुदनामूल ६ वुलस
रुनठ ६ स्यात्तु २ वठवि २ सुवाद्ध
ल निन्धु रुषदव ॥ हावुजिनि
नि धलसकावनक सामिताना
लाग सामितान यमुलादयका लरिपुदनासकास्यताद वात मूलनाग ॥ स्याद स्याधि नकास्यन सामि
तानाग ॥ रुनठ यतिवादल परवालसास्यशवा ॥ कादु तादु यथा काठलयाथ मनव धिधिति रु
ठि अनियन हिपुव सुवाद्धल रुनठ ॥ नन रुसाग दयका हावुलरिपुदनासकास्यताद मं ३७ ॥

१२

यातनीं वं दय काठलीनिम्ब ॥ छुठि मं उ लरेव दास्य वृत्तागल दृत्तागल दयव ॥ कास्य दिपुमं इत्यव दः
त इत्यव र धन धर्युठि प्रायालरिखस कास्यनाद धृति अतदना कादलीनिम्ब ॥ साकान तुठि मुख वा
लयाल धनिगीर कास्य समराग नमं र धृतिनाय असदन काठलीनिम्ब ॥ वानव तुठि नामलघु
ठाठ वि सिधानक वाल मुक्तः शुधि समराग धनिगीर कास्यनाद समुदवार्थ काठवव
दवख ॥ गिनिरुल गलुमुक्त ल वं समराग खादुलरिखस कास्यनादन यिरुनकाठव
दुदवख ॥ वगवादा वाल शुः वादुल यिथिलि समराग कादालरिखस कास्यनाद वान
नकाठल अचकलिग ॥ दवदाल वाठ गगयय दिपुस्योवा यमसयाल धनीननस्य धृति सयाजवा
उव दयविनि यिथिलि शुवावल जीनि सध ठाठ वि साखन समराग वलि न वाल तुठि विदः
अव नम यवत यिवागवाय धृति कल नमन डहिम काठव तुठि नामलघु कास्य नाठ खला

लिख्यवाङ्मायुशुभि प्रवाकसल...
 मूरु ३ शुधि ३ वाठवीश्वरुठ ममल...
 न कस्तीनवालन काष्ठशुद्धि...
 लरिखगनस्युताठ वाठलतिग्व...
 सावया किनिवान अरुनगा...
 स ३ धनकावातरिखसकास्युताठ...
 जिनि २ रुकठ ३ प्रकनामूल ३ वाठ ६ धनचूनयाठ...
 ॥ अतिप्रग मूरु काकठे सि विधिलि समरागचूनयाठ...
 वालसुदुस जयवान खलायालायमान धूनडाव...
 २० स्वाहा या

॥ धीसमिनि ६ उलसध्यामनि कस्तुवितानका ॥
 उत घठ वसु कोखायका सिग्व ॥ दिगदलमं ३ गठदामं
 वादिनिमडातलिग्व ॥ दिग्व ६ स्ववाचल १ वाठवी १ शुभि १२

२०

२०

पालीसाग ३ साहागा १ मज्झ २ धुतवालेस इइसनसी नति ४ धाल गनकां गठविंदन धवडि छुबउख
इलरियस वातावन वा विविधि ॥ गिरवाल इइमरी ५ वलस इइमरी २४ धुतमगी टाककांठासी मागध
लूचूनमरी २ धनवाला वग्गविन कप्पास मायधानका अधनि धुडासनन लखन काचाय विजननया
थ का ० विधि ॥ ठागाजावाघल बानजडावऊय ॥ ॥ मूग अदनठास वाक्कटनि जानः
ल सरुजयसापयाद कादय ॥ नेद्युआव कस्किनवान वान मोरिस यावल य परवालदा
य ॥ सीधा नाउचवक वाल वः थिनवाल मार्गसिलनय परवालदायुवरव ॥ किस्वान
हन सीध लखन नसी वरुनिदयका गनडाव मार्गसिलनय परवालदायुवरव ॥ दिगरुल मी ३ गाउन
मी ३ धनवाक्कलखन रुसीठा वरुनिदययुवरव ॥ ६८३ ॥ बाहिनीदनठ बाहीनामूरणवालनकां ल
रायोमितामो ॥ धूमनाय सव्वेविनाग ॥ जीनि रुकुडिनि चिमूनि समराम वानयाद डासन (गीति)

[illegible]

[illegible]

८ गान्ध्या, द... येल... विमात... वानयाव... धुकादयाधु... ॥ मादुना...
॥ यथ... धिरुना... नियवान्... पापुनागवलला... धाल... धिरुवसुनयान्... ॥ गसाधिरुमसु...
दद्यानागायकल्य... ॥ ध्याहिर्नलान्... धिरुनवरुनयाव... शवत्राय... कामलधिरु... ॥ कामलाव...
हेषि... कादया... प्रयामनाः... ॥ कामलनदग... धिरु... धीमया... साखा... मा... ॥ ध्या...
यादवा... ॥ कालानुनाखः... नीरुगा... वृ... स्मा... कामला... ॥ कामलनायनादत... २२
वत्राय... धयकथा... कामला... कुमुकामलनाय... ॥ धसवागधिरुनगंदाव... रुनीमका...
य... ॥ धसकलणगंदाव... गायद... धि... य... मिखा... नाय... दिन... डय... दन... दान... दान... यान... कि... य... ॥
॥ कामलयाधुया... धि... मा... ॥ ध्या... मन... म... ॥ मनव... ॥ धि... नि... नि... धा... धल... ख... स...
अगा... धा... कामलना... ॥ ध्या... मन... म... ॥ ध्या... धा... नागी... धि... य... क... ध्या... जा... इ...

कृदण, धडासनन, जागलडास्य, कस्य जाति मथास्य, धजामायनरुलाव, नवी, कामलयासु
 प्रायनागः, शिरुला, अमुदगु, आदग, कदूक, खाठा, निव, साखन, कसिनवालनस्य, काः
 मलयासुनागः, शिकाउ, वरुमिदि, शिरुयु, विधिनि, आदग, एवतसमसाग, कसि साखः
 नगवाल, नवी, नमी उवायः, कामलयासुनागः, कदूक, इलालरु, शिरुयु, भाकन
 आदग, डीवि, साखन, ध, धान, यिनि, शिरुलरु, सखरु, नाद, मी उवामल
 यासु प्रायनागः, मुरु, सायु, मल, खकन, मनच, खदान, यिनि, साखल, काः
 क्रीनवान, नमी उवामन यासु प्रायनागः, गवच, सनकानरु, मनच, धतनस्य, इद, सखरु, नागवी
 यासु कामननागः, ६३, शिरुविद, शिरुयुले, विदरु, सासुणा, निन, गन, एव, वरु, नक, मुरु
 वाधो, विधा, विवा, शिरुकायन, ययु, थवगुणन, धतमही, ननानेकायजययु, नसस, वरुनय

५ ॥ नवचरान् वानयैरुद ॥ ध्यानवनसा कृथुकाग मिखानवयु कानवनसामगम ॥
लनवयु ॥ धनकपि धनकानिहयाविकित्साकाव ॥ गिरुला नूयका लडिनिगु मगल
यातकालवदखन डिनिहल पिपिलि वावठविशकाव शुठि मूरु सादान धनवनयाड
नकापिरुनाग ॥ दिगुरुल मि दिम गुठगु खादा खवान मूरु वाइका धनदास्य ना
न नावन कुगलहानगन ॥ मूरु खवान बाल डगलहा नकाचदन शुठि नकापि २३
रुथा अघनाग ॥ श्रीरक्षु वा ल मूरु डगलहा आदग गुठगु डिनि रूषिपिदि
इनलरु मिदिस सावनग विठका कस्तिनवानन नकापिरुनाग ॥ यालाठवनि खदान
यिदु अवन मूरु सामकाग दिनयति २१ मस यामलाल खन दूमलादयवा डामनता
दास्य वायठस ० लयागाड नकापिरुनाग ॥ गिरुला अरितहा पिपिलि वाइका धनसन

रागवान्याह साखनकासिनवाननमसि ३ धनन नकादलनकविनाग ॥ - ६३३
 नोवाहकथावेव साहसादिवमायनाह ॥ शिदावाजायनयद्वा गदादहवहृष्टयाह ॥ वः
 मयदास गल वने वलयनाकमणसिदास गवदनयाह ॥ शिदाव वागविरु श्रुवा धया
 ताहउलजायलया नाजय द्वात्राज ॥ धयाविकित्सा ॥ अणाकसिदा इदवानान
 वी कयनायनाग ॥ धनका किलमूल चालसइदवानानका कयनायनाग ॥ माक
 उला सुखुति सिनकावानः बाहण साइइसहास्यगाह दय द्वात्राजनायनाग ॥ रुविः
 गिताना वनसलाना सुखुतिआह चलसइइसहास्यगाहण यद्वात्राजनायनाग ॥ गालिसहन
 मनव २ सुवि ३ यियिलिह वसनावन ३ धन लिवालिथा वृद्धिराग शुकायाल नवदहव
 म लेसय वृद्धि धनगा वि जसि कायाठ नायसाखन धनान यद्वापायनाग ॥ - ६३३

व्यवायः ॥ कवकः क्व व्यायामाधयः ॥ ४ विगः ॥ वृत्तानः ॥ दानसहस्रवा ॥ ग्गावः ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥
तिस्ती वायुसंगथादास स्वायानु द्यः ० इनदान जायवाण लसितायानदायास पाउण्णायान
येन्दीणइवथा घाल लंक्ठदय थससनिल सायानयय धयाल दण्डइण डल दगवाय
॥ धयाचिकित्सा ॥ चला पाग क लवदत्वच मिदिस यैयलि धनवारुलद्विमान सा
खनरुमिदि स्वइनयः ॥ १० ॥ धनघ्न वाय धवृणकास्तिनवान वायः ॥ धाननस्य द २०
मदीणनाण ॥ युति जमन सकव इठवीज अक्यादा सारुडिन गवको ० गीजी
गिरवाल घाल वालाठ चकणुनीवि यनाककासिकवू मधनात्मानदा अयामार्ग वूयत्तान
सं विगकादा एकाइ प्रकनामूल पाउनिसि वि धगडासन अक्कायाव लठिगथदः
क्युतिनकायास्य चमथलाव दाहनय मस्ययादाव लंस्वसनस्य स्वातनी सुकायठका

स्यात् ॥ ठास नगलाय हिंयु कर्ष ॥ व २ श्रुत ॥ सडिखान ६ वृत्तवि ॥ धृतधानयादकास्येन
 थयास्य स्वयका निरानसयास्य गनकाव ॥ धडासजचूननक दनदीनकीगव यीनमय
 सिं ॥ १ ॥ ॥ यचकागः स्मृतावाता ॥ यिरु ॥ यच दनकथे ॥ दयायायविगा ॥ सर्ववः
 लिनययथाकन ॥ ॥ ठागा ६ कासकाया ॥ वागधीन ॥ यच दनदीन दयका
 स ॥ शिदायलकनकाका मुह वललाक लि ॥ थालि ॥ यच यवीगवा ॥ ॥ वासया
 चिकित्साकाथ ॥ यिथिलि ॥ आठम ॥ गीनकनयुठवियाव ॥ यिथिलि ॥ युनि ॥ छान
 न कागनाग ॥ लवद ॥ यचकासूल ॥ यिथिलि ॥ वाकटासि ॥ इलालक ॥ वीगवावन ॥ समसागवा
 र्कनवानन ॥ यचकागनाग ॥ गठिम ॥ कर्कटासि ॥ म ॥ रुनउ ॥ इलालक ॥ वीगवावन ॥ यिथिलि
 लव ॥ वातवममन ॥ ॥ वासका ॥ ॥ कासिका ॥ ॥ यचकागनाग ॥ ॥ यचकासूल ॥ ॥ रुनउ ॥ यचका

[illegible]

स. ल. न. उ. अ. व. न. वि. न. उ. व. न. न. दा. वि. उ. म. व. सम. ल. ग. ड. स. न. न. छ. वा. सा. ख. न. न. छ. वा. न. म. ३. ल. ग.
 वा. ग. ना. ग. ॥ ३. ल. न. उ. वा. क. क. र. सि. का. ल. स. इ. ला. ल. र. थि. थि. लि. सम. का. य. न. म. ३. का. ग. सा. ना. ग. ॥
 वा. उ. शि. रु. ला. सा. गी. स. म. का. ग. वा. र. की. न. वा. ल. न. म. ३. का. ग. सा. ना. ग. ॥ वा. ल. वा. उ. वा. उ. इ. ला. ल. र. थि.
 थि. लि. वा. क. र. सि. म. र. य. य. ग.
 क. र. थि. थि. लि. वा. क. र. सि. म. ३.
 शि. वा. ३. ध. र. ना. म. ल. वा. ३. थि. वा.
 उ. ३. म. न. न. वा. ३. उ. क. ल. वा. ग. ३. स. ना. ग. ॥ थि. वा. ३. सि. वा. ३. य. न. म. र. वा. ल. ३. थि. थि. ला. म. ल. ३. य. न.
 क. र. ३. म. न. न. ३. ध. र. ना. म. ल. ३. ल. व. र. ३. जि. नि. ३. य. म. नि. ३. ल. व. र. र. व. ३. वा. क. उ. वि. स. वा. ३. य. न.
 ल. व. र. य. नि. वा. ३. वा. ल. गी. क. ३. ल. व. र. ३. ध. र. ना. म. ल. ३. य. न. म. र. वा. ल. ३. वा. क. उ. वि. स. वा. ३. य. न.

२२ निरुपमा विरुद्धा ३

वालनं ८ व नानदीवधनागशजा ॥ ५६ ॥ अत्र जा मिलडो अमला ऊडा गभीरामरुगी गध
वाभूवै करुनानुगम ३ यद्विदीका वागामरु ॥ अत्र जा अमला ऊडा यंसी नामरुगी धनना
म वागवा ॥ अमला मलया ॥ अनादी कुजान ॥ हिक्क्या विवित्या ॥ शुभिम ३ रुग्म मलाल
खन च्छमला दयं हिक्क्या व
नवाली नवाजनवा हिक्क्या
नयाव कालस याय नवा
मवा ४ ऊडा रुदे शुभचम ४ रिधन समरुवा वि ४ स्वाग नवा विष्णवग ४ ॥ महाद्वीपु वन
स्वा वि नवाग गमवा स्वाग ऊड स्वाय थठाना नामरुद नवा महाद्वीप विष्णवग ४ ॥ अत्र
नवा ४ ॥ अत्र जा विवित्या काल ॥ मचव विवित्ति मित्रा वि मिदिय अलाहा वान

संहिता ३ प्रवृत्तिना ३ प्रवृत्तिनादयन्तु ॥ यागात्स्वर्गवद्वर्गनादु विष्ठा ॥ इत्युः स्वर्गसुव
 मिवादिहिविहिवः सभा गवगलणवायल विधसवातइन गवगलणयउयन जाया
 उयाग (थसकाधनयय रुसयादिन स्वर्गवद्वर्गवृत्तस रुगधनिव धुसससत स्वर्गमा
 चकायुशुगाविधि ॥ वागधि
 धयाचिकित्तालाय ॥ मन
 १० ३ लवद ३ युवामाल ३
 लीमनाडा दनठिव वकावि मदानिनि धाचूनयाद धलनवालन स्वर्गवद्वर्गनामां ११ ॥
 निमं ३ युवाच लमं २ मनचमं साखन १ चूनयादकलीनवानन स्वर्गवद्वर्गनामां १२ ॥
 मनचमं दिविले १० ॥ स्या ४ दनठ मनाधि लवद युवामाल युक्त रुकाडिनि योमूनि वन

रुमया

निमककाष्ठ्यायुः शुद्धरावायुः ॥ यथा चिकित्साकाश्याह ॥ ॥ गालसिम ३ वज्रवाचन

अनुचक इत्ये

मी३ डि३ लि३ लव३ ३ म३ न३ च३ ३ धि३ धि३ लि३ ३ धु३ ० ३ लव३ ३ ३ यु३ का३ म्या३ ल३ ३ या३ ग३ का३ ३ वृ३ य३ क३ ग३ ल३
 ३ स३ म३ ल३ ग३ सा३ ख३ न३ व३ ३ ३ स३ न३ व३ ३ ३ वा३ ग३ वि३ रु३ ना३ ग३ ॥ वृ३ धि३ का३ न३ अ३ धि३ का३ न३ ॥ ग३ लि३ स३ म३ ३ वृ३
 ला३ व३ न३ ३ धि३ धि३ लि३ ३ धु३ ० ३ म३ न३ च३ ३ डि३ नि३ ३ य३ मु३ नि३ ३ वृ३ ला३ ३ ल३ व३ ३ ३ ल३ व३ ३ ल३ व३ ३ ल३ व३ ३ रु३ न३ उ३
 ३ अ३ व३ ल३ ३ सा३ न३ व३ ३ ३ वृ३
 ३ म३ न३ च३ ३ धि३ धि३ लि३ ३ धु३
 वृ३ धु३ नि३ अ३ वा३ व३ क३ ना३ ॥ वृ३ धि३
 नि३ ३ रु३ द३ यः ३ य३ वि३ रु३ य३ ॥ सा३ स३ नि३ क३ ल३ मु३ च३ न३ ॥ दा३ व३ इ३ इ३ स३ ध३ वा३ य३ इ३ वा३ ग३ न३ वि३ रु३ न३ ३ ध३ वा३
 न३ नि३ द३ ३ ल३ ३ द३ य३ वा३ र३ व३ दा३ आ३ दि३ ध३ दा३ गा३ वृ३ दि३ ध३ य३ ल३ क३ ल३ द्वा३ य३ ॥ वृ३ दि३ य३ वि३ धि३ लि३ ॥ ॥
 रु३ द्वा३ ३ धु३ या३ म३ नि३ वा३ सा३ ख३ न३ व३ ३ ग३ क३ न३ वा३ व३ म३ का३ ग३ न३ स्या३ ३ ३ लि३ य३ म३ रु३ न३ य३ ॥ धि३ धि३

को॥

क॥ लि३ य३ दि३

॥ ॥

[illegible]

कायल जिमिरुल गाय विकाला कावउ विसकाव खयन लिखन नस्य गुठि विद कथ
सथरु गस्य विवागनाग ॥ कामल डरुल धल साखनवास्तिनवाल गुठिविद कथसन
स्य विवागनाग ॥ गखयउ विरुला समराग वास्तिनवाल कथसथरु व्यागनायनाग ॥
यधु रुटाकिमि लिखनन
खयु रुवा डगडहा साख
॥ ॥ कलासयावा स्यावा
याहा डरुल डसलहा स्यावा समराग हूनयाड धलकास्तिनवान थकागवुदने विवाग
नाग ॥ वाधुवर्म ३ ययगु ३ कावउ विसकाव ३ विकाला ३ मुग ३ खयनल ३ रुवा ३ कामल ३
रुमिमिदि ३ स्यावा ३ ममाधि ३ स्यावा धलकास्तिनवानन विवागनाग ॥ ३ ॥ निविः

कुवायना ॥ हल उ व कृग धि धिलि सुंठि जिनि अउमाउ हंछिमिदि स्यात्वा समता ध
न वावन मे श्वान थिकुनायना ॥ अतिलदा वडियातदा मिदिस युनि मसि इइइइइइ
खम्याला ३ धनलख स्वववादास्य इइलनका साखनणकास्य नाद थिकुनायना ॥ काकाइ
दा मवनास्वानदा समताग
लदास्वान घटकादा समा
ना ॥ मिदिस इनालखि व
साखनविठ ६ कास्तिन वावनका थिकुनायना ॥ ६३ ॥ थाविषयगुणा २५ का सुस
वा दयवधिना ३ ननामि थाययु कन सनस्य थामदावयः ॥ ४ नावयथायुण इवा धन
२ थययुना वाठ धननवत अवलस गवनागल कायकादान धनिदवनामदावयः

[illegible]

सखात स्वधनन स्या ईड इलासयाय हयस्य गायनावनान ॥ नकवदन श्रीखण्डवाल
उगलहा हूइयादणीचक ॥ लवद वाधून उगलहा श्रीखण्ड धृतिनवावायहा उरुलः
पथकगल जिनि विधिवि अष्टलि शुक्रमात लवद खच वाल धूयकगल वीकाला जिनि
रुल वीसवावन धनसम - हाग हूइयादणी साखनल स्ववा डासनविवा धन
वालनमि धनशिवाधन विवाग हयुनाग ॥ हाधूमन खकन गिमनी लीक
ननस्य साखनल वावगान की लीगाउ हयुनाग ॥ कूट विवाडानीननस्यल
नकी यगिरा हयुनाग ॥ ६ ॥ ३ ॥ मदयन्यद्गतादावा यस्माद्भागमागमा ॥ नानस धन
गाथावि नुमाद र्गनकी लिता ॥ ४ ॥ विरुमहाडा स्य दावदवान मनवरुनयानाडी सः
विहीह नवन सवलन वरुनयवानवा मनयायाविधवा धवाय कावस थावसः

॥ अथाविश्वकल्पात् ॥ ७ लाघिधाने नगनः यथायथाकामं गतः
यो ह्यथवावना ॥ मनवः पुण्ड्रु नस्य दगमी हरस्यागिवालकद्रु दायवावनाग ॥ ८
लवा धावाजानका ॥ चलसइइ मासद्विद्रागसथद दायवाव लालख ॥ पुण्ड्रुवा
मस रथीठिधान रघल कनकाग रुस्यगानका दायवावनाग ॥ कयागया
दाननादनना काविशनः दायवाव नयाव स्वकनानका धडासनग द
य दायनितालख ॥ काः काउदा मधुवतानका समरागचूणवाड साइस
रुस्यगानका दायवाव लालख ॥ खइ तिसयाय पुनगातिस्ति समरागचूणयादन
याव दायगमीस रुस्यगानका दायवाव लालख ॥ उगासूलन चूनयाद धलस
रुस्यगानका दायवाव लालख ॥ ६ ॥ ३ ॥ गमः पुवगसंनम दायवाव रुगठस्मृतिः ॥

अथस्मानमिनिहृयो दायाद्याधै नयुहविष॥ हाननानि मिताउयाविकान ७ लाहव
दाययाअधिकारण वृद्धिअनिहृय अथस्मान धनअसयकव वागविहृय अगिदाय
अथागाविभिनइवा ॥ अथअथस्मानयाचिकोसाकाय ॥ ॥ अलथाहीसुषुदोतीमा
ह मनवगाउ १०८ धवान कागसथदि अथस्मानगास ॥ हाकमाखिचास
वस्यडयवासयाचकनः संगीशुकाजावनिहागल जालावनक रवीयानखा
हागहाव डाखिसलाव हा मलशकाकास्यग धनमललखननस्य कावउग
याउवस्य कागसगीथकि अथस्माननाग ॥ रुनउमनयगि मनवगाउवि १०९ गवलिख
ननस्य कागद्यालनयुदिसीधन ८ इवावथदि लाउहास्यवव अथस्माननाग ॥ हसवा
हाहा मनवगाउ १०९ गवलिखननस्य कावउसयकवयाव जावकागसिहृ ११० विनका

[illegible]

ल मंडवान धमलादयक लेख दायाव वाठवाय वाचवान घाठ दाः छुड नानक वागना ॥
वलाहा अलठहा छुडून गिला हा मग वका मनीधि स्वधननस्य दायक दाकहालाथील
धनयाठ वागना ॥ नकाचंदन श्रीखण् वालासनहा झुडस याठ वागना ॥ गुठ गुआ
उगा दिगहल समराग क मंडवान धमलादयक माठ वाग
नाग ॥ वठियालहा अलः उहा छुडून गिला हा मग वका मनाधि स्वधननस्य
दायक लधनरुलाथी वा वका याठ वागना ॥ वन वका धीधिलि गुा रुन
उ धूमनि कटसध दिवछुग यावछि धधून वाकालिवरु सागाठ मंडवा वागना ॥
अक्किइड कायठग वालाव धनयिगाठदल हा मग वका वालाव अजल रुस्य धधून
लगा मानुवइडन क्कास्य वागनवव थायना ला वास्य नागना ॥ विलुठि काग रुव का

लाम १ सुविनने स्या य वातनाग १ अथ वलाग १ रत्नाक विनिताग १ सुठनने स दाय
 याय वातनाग ॥ लाम नवकाग इवनदन यानस वनस इ अल उयुयामन दाग ॥ अक
 इइ मदानसा ॥ अकलिन यानी धगमल वय काना वन यान मज नस थइन वातन स्य ल
 दाठ नदन याठ वातनाग ॥ गाली समीदु विविलिङ्ग १ धियला मूलक १ पु ० काल
 वठ खव न १ युक् मालम ३ ॥ यागवार्म १ नूयकगन न १ ड गालन न १ गउदा उ
 १ घलकार १ इडा ववी दाग ॥ काग वा सिव ॥ दावाडिनि युठि यमनि धीविलि धनग
 नवद्धि वासिरेवठि वद्धि नम ३ ॥ पुवाक १ जाथुयाव जानवानाव नवनवावन ॥ ० वाग
 यानाग ॥ उवि आह स्वीवनवालाव सठिनिधानलाठाव वागनस्याक ० यम गउय
 १ वातनाग १ अल उवकान गिरला ॥ लामन १ वगकाहा यनवा १ रंष्टिमिदि धयागा

३४

संज्ञाय वागवाथानां ॥ कालाट् दाकडिनि, खालची, साठन नस्यं दायवी वायथ, वा
वाथानां ॥ निनवस, जयवाल, अटलहा, सु० समराग, गामनान नस्यं वाय, वागवाथाना
॥ सिमतीत अजलरु थ, रीगकिमि, आव, धयागीनवान, रुमिइइनवान अजलरु, था
व लावाय, पुगळ, लिथाद, त्यायमरुट् ॥ गाखान, मुनि, मुठयु, वधदान, धीवि
लिहवत ववण, पुनधन, छि, रुला, सुधि, धनचु, पुन, यी, वागवाथानां ॥ गाखान,
मी० वदियाल० अलंठहा, मी० काथिनिवादा, मी० मुठयु, निवमी० लख्यामला
नळमलालनवी, नळवागयाथा० ॥ निवमी० अजलरु, मी० ग, थ, पु, मानी, मी० १०, मुठयु, व, रुला, मी०
१०, अजलरु, मी० १०, मजवमी० धीविलि, मी० र्मी० धामी०, गगयु, ० ला, मी० ० सलमी० डिनिमी०
सुमानिमी० रुकडिनिमी० वकनकुठ, ३, लखरु, ३, धनी, १४, इइ, ३, १४, वा, ना, वान

धावला स्वायलता इह ताड सवालिह कालाजि युमुनि पुत्रे लाता स्यात् न स्वर्ग न
 स्माल पाय वागनाग ॥ वडियाल काम शायनलि इपुठि शरीरन पुत्र पुत्रकामाल इहान इउ
 लान इहयं थ इहोहिमादे ३ गो वागन धाकटास इजीन इमकयमन इहयल स ३ स्ववाकल
 इसस इहपुस्वान ३ सिंयि ३
 लाहा १ सल १ धल १ ल
 दवाहा पुठि वक्रजगहा ह
 हास्त्रवक विहत्यापुग ३ इहय स्यादया धीयन ३ गत्तपृक वायुना इहिनन गत्यावत्या
 इहान वागनक ॥ समस वक दाव इहन दहनयन दावहन पागस रुदल यन धयक
 स्याथून सियकहन दावनका यनयाव नयानन सवा मलनयं दावनयन दाव वागनक

शिवस्य ॥ ॥ ध्यायितुं कृत्वा ॥ ध्यायितुं कृत्वा ॥ ध्यायितुं कृत्वा ॥ ध्यायितुं कृत्वा ॥
ॐ साह नानन स्याय न कृत्वा नान ॥ गारा नर्मस ॥ वठिया लम ॥ आदग मी ॥ अलु ॥ धायति
कात्मानदा मी ॥ दुठयु मी ॥ निवम ॥ लख धाम लान नमला दयकी ॥ गामगी ॥ धा ॥ नकवागया दध
॥ निवम ॥ धला ॥ वगी मी ॥ ॥ ननउ मी ॥ वरुनउ मी ॥ दुठयु मी ॥ आदग मी ॥ धा ॥ नकवाग
॥ ननउ मी ॥ वरुनउ मी ॥ दुठयु मी ॥ आदग मी ॥ धा ॥ नकवाग
या दध ॥ ॥ डललहा वसिहा वू
धाम ॥ धा ॥ दास्यगा ॥ नकन स्या लसिग ॥ धूमनि ॥ गावाल ॥ दुठयु ॥ धा ॥ दास्य ॥ धि ॥ धिलि ॥ हवग ॥ मूक
॥ ननउ मी ॥ वरुनउ मी ॥ दुठयु मी ॥ आदग मी ॥ धा ॥ नकवाग
यान ॥ नठिया ॥ धा ॥ धायति ॥ काहा ॥ सनकाग ॥ मसि ॥ धा ॥ विविधाव ॥ लखसै ॥ नमला ॥ नमला ॥

[illegible]

[illegible]

मातृ... ॥ लनयु० पुनदनययमुत्त दिगमल लखदास्य अलखोत्त
उदावरुनाग ॥ ६०३ ॥ इष्टावागादयास्यर्थः मिथ्यादानविहानि वि कृष्णकथयवभापुत्त काश्च
कय्रीद्विपिर्ण वागअदिम रित्रक इष्टइनकास लिथ्याहोयानया व्यगलधसवा
नया व्यगमयस्यनया मनः स्याया दामाकदसकात्रण याअत्राय व्यगइवनः ३१
गठयादृष्ट्वं ग्वं ० वकादाः युद्वय उ धनअनमया ॥ ॥ धनयात्रिकित्सा ॥
अलसय दिष्टु ठाठवि वदची स्या ॥ धन धसकृठमानक वागपुत्तनाग ॥ मिदिय
कय धनगानीस गाठठा विकटिह ठनाठ विरुपुत्तनाग ॥ यमुनिपून धालगीस व
उयीरुकासीनाठ हृष्टमयुत्तनाग ॥ ६०३ ॥ अलसपुष्टवकासायनिक अमादिधामाधग

३१

३०

नवसंज्ञः। सविकनेव गविधानलोच्य। हदामयं यवविधः। यदिष्ट ४॥ अतिवाक्। आद्वाद् ९
रुद्रिवायुः धननन। जायकन। अरिवागस। गमीनन। अतिक्। यस्मयस। अमीवीकाण। वग
धीदल। स्ववउयायाभि। दानारुद। धनिस। मया। पूर्वनूयागय। ॥ धयाविकित्सा। काय। ॥ मनवशु
उरु। वाकल। स्वसकास्यगाद। लंग्वउस्याकनाग। ॥ धियलि। डिनिदूनयाठ। धलकः।
प्रकास्य। गाठ। लंग्वउस्याक। नाग। ॥ चका। बाल। कीचिनिशिं। क०। कानी। धारवानरुद।
कलदा। शु०। मनव। मुरु। धि। धिनिहिं। शु। अलंउहा। खान। स्या। धा। वाकल। स्वसकास्य
गाठ। लंग्वउस्याकनाग। ॥ स्वयागस्याक। दकस्याक। इहवस्याक। यायासंतिग्व। ॥ वला। वि
। पला। मूल। धलकानकासकास्य। गा। नक। लंग्वउस्याक। सतिव। ॥ कली। नी। दावा। बालन। लंग्वउः
स्याक। स। शु। ल। मूल। स। ना। ठी। रुदस। धनसं। तिग्व। ॥ धियलि। क०। ला। स। यवा। मगजी। नवनिवा। रवा

नवसंज्ञः

२ विहसं कादि

वालावनकी लुगठस्याधानाग ॥ कालसायाछां चूनया ॥ धालभालासुथं कडासासुथं
वुवायासुथं उदवनवाडानतु धलकांठासुथं नाठ लुगठस्याधानाग ॥ वालाठ विथ
लदासुथं नाठ लुगठस्याधानाग ॥ खंडलिसयादवन दासुथं धुलरिवाय हिथुनकासुथं नाठ न लु
गठस्याधानाग ॥ कावठिगा
सधामनचवा लरिखसुथं
मिनचययकाव लरिखइल २
हलविधानगठविन धडासनगवलनसुथं लुगाठस्याधानाग असापिरु वजनसुथं अडा सुध
सुथं उव धडासनयानाम इरुसुथं वाविवाय धनसुथं ॥ ३ ॥ गुठिगुठगु याठद्वं स्वाइ निम
स्वकां वं ० गिनि इला लरि सुसुथं आदग काइका कासुथं निवानन लुगठस्याधानाग ॥ ३ ॥

उठ उठयाठ मनचर्मं यसुर्मं विविलिमं य
वगार्थं थुककां नयाव गानका थथनिदानाडासनव
यगसुथं नयाव नाठनयाथं नय थथनिगाकनडाव

३४

वायामगीकृषवधनुक्रमद्यः पसंगानिरुद्धनष्टयानात् । आयुधमस्याधसनासडीशु
ल्लिख्यं कृष्णनिनृणां नथाष्टो ॥ कायवधनीकडावधीनयः धीनादासः कानलः कीर्तिमया
कासः वास्यं गतं आदिनगस्यं वावर्कः दालसडाववधुआहानयानः का आदिनअनि
नयः ॥ अङ्गीशुनः वागधिरु ॥ १ ॥ अथानियातः अत्यधुलिमः शुक्राअम्भनीधुननः
यागाः मूयकृष्णः ॥ १ ॥ ध्याविकित्याः कायः ॥ शुद्धमसि ॥ लखिद्रुगमलान
कमलादयकः शुद्धकादका ॥ १ ॥ कायउगधस्यगादः मूयमूलनागः ॥ जानकमनव
साइइवानः ॥ कसिरुः कणालरुः गंगालिलिरुः लखिद्रुः इइद्रुः कायः लखिद्रुवकाः इइद्रुः
कालनकाः गादनः मूयमूलनागः ॥ शुक्रमालः यमसखानः विधिलः समरागः धृष्टसनीसस्यः
मानकः नरुमरुनाः मूयमूलनागः ॥ अलकः काअलउहलः नस्यगायः मूयमूलनागः ॥ १ ॥

[illegible]

दि यावानरुद श्वगमनच गोखान आठग अलठ धन समकाग वा ० अस्म गिलाउउधूयाः
दरुसंगारु मूरुवृद्ध अस्मविनायनाग ॥ ६ ॥ ३ ॥ गय्यासुखस्वप्नसुखदधिनी ग्रामादवानु
वनसाः यथासि नवान्नयान युठवेवानेव पुमददुः कदुवृद्ध सध ॥ आगनसयास सु
खनउवावया धनिउगाठ इवया अलासिया मझाक मचलनय लखनीवः
या नककडाउनय धावि कावस पुमदयादुदवाका श्लेषादुनडागनया ॥
धयाविकिराहाथ ॥ ॥ गिरु ला मिचकि काकडुहा मुरु हदडाव चियरवयन
समकाग चूनयाठ लखसंगव वनसइइसंगव हास्य नोडा नकमरुनाग ॥ गिलाउउधूयाः
विलवंगव नसाइनवृद्ध म ८ साखनम ८ वाकडासि ८ धियिल मवंग लावन ॥ अवि
सुवद ८ वासाल १ यातक १ नूयका गलो १ का ० गिनिया सडनव लोठनव धनचूनया ८ क

॥ नमो वासुदेवाय नमः नमः नमः ॥ गिला उक्तु वावागल एका विधिते सतसुगुन माद द्वाक
 सलागलक स्याताद नमः नमः ॥ यमसखानमः ॥ सखानमः ॥ हितु नमि ॥ ६८८ मीज
 का ॥ धनद्वयालनमान लालामरुनाग ॥ वकासिंद वृ का ॥ ०७० स्याताद ॥ ६८८ मीज
 नी ताद नग ॥ ६८८ मीज नमः ॥ निवती का ॥ ०७० स्याताद सलामरुनाग ॥ वनकदा वा ॥
 ०७० स्याताद गिला मरुनाग ॥ ६८८ मीज नमः ॥ खयन वा ॥ ०७० स्याताद मूलमरुनाग ॥ याउधं अगुन
 वा ॥ ०७० स्याताद लवनमरुना ॥ मिवावि सिं वा ॥ ०७० स्याताद मंडिष्टमरुनाग ॥ गि
 रुलादिगरुल मिदि स धन वा ॥ ०७० स्याताद रुनिलमरुनाग ॥ ६८८ मीज ॥ अवायामदिवास्व
 द्र ॥ सुभाहाननिगविनः ॥ मधुना नवसः स्रहा ॥ सदाविवद्वयिहृग ॥ मरुताकाया क्रिनस
 ॥ ६८८ मीज ॥ सुभास मनिव आहान सवनयाग वाक्वाकलनयाग मधुन नस आमा ॥ सव

नयनदाव वधवादिश्यु विकनायिकसुनयान् दाकावृद्धिन मदा लाग ॥ ध्या विविक्ता
॥ सिधे जिनि उकट्टु दिपु सुवाधुन भविगी रुस्यताठ थागमदानाग ॥ छिरुला शिक
उ विस्वन वान सुनागानस्य सुममदानाग ॥ २०३ ॥ दावाऽसर्वविमदाया सुगनामुद
नालिच ॥ अजीर्णमलिनस्था ने जायनमलसंययात् ॥ वायसकनदायु अग्निमदश
नदाव उदमनागवाहि अगी शयु अजीर्णयाकनान नयावाकमइल मलथाकन
यवानवग्ध उदमनाग ॥ धः वाविक्ता ॥ गगनयदा गगनायदा नस्यताठम अः
त्यवायनाग ॥ रुकठ विपिलि सुवाधुल स्यावादायदा लखसहस्य ताठन अत्यवायनाग
॥ चनकदा पुठिकायाठ स्वावस इथठमका अत्यनाग ॥ गवकावाइका अमुकानामथंठलस्य
पानिसाधियका आस्य निरानसगनवावाय अत्यनाग ॥ वडि गालका धवाहा इइव नस्य माः

ने की लुका ॥ कर्मवीरानाम ॥ ननु वाचसपथक नस्य अथ नाग ॥ अत्र ल
 ती वासीनवानतर्क लुका नाग ॥ अथ ० रुनठ, विधिलि मूल वड वनवालनर्क लुका नम मा
 यनाग ॥ अथ रुनठ, वडची ॥ ० हिंदु कूट वगक विमूनिधन, धर्मसंयज्ञनर्थजानिसथशन, रु
 यनाह युल्लमायनाग ॥ काका इहा अथ धनयानामथ ० लयाव वास्यं मस्य अथ ना
 ॥ ॥ ० ॥ विलनकाका वाय्, इहा इहा इहा ॥ निना ॥ नीलवृद्धगमिस्ते ॥ इहा ॥ ४२
 वक्रात्रासं नर्थ ॥ ० ॥ अथ सह गं ॥ अथ गमाह निवयादन ॥ ॥ यीगना हीना ॥ अथ नाथ
 ॥ ॥ अथ वन ॥ ० ॥ कायनयया चूल वागस, मनिग्वसवनयन, मनिग्वकालनकाल, वागका
 ॥ ॥ ॥ अथ गाननडाव विवन नाठिसरवनयाव धदा कायिस्वयाव, सवया लाव ॥ अकन
 ॥ ॥ ॥ अथ ॥ अथिगारुव समुद्रायनशका विवाउन मन मनकन, अथातिनरिन्नाहन ॥

न युगं मीमाणाः ॥ न लिङ्गान् रक्षावत् भगवांस्तु साहागादाहवर्गं मन्त्रव इव वयं वाहकः ॥
कारुण्यं धीयितुं धृतवानयाह मं उवाच कास्मिन्वानन त्वमकाचान मग्विनीसुखं आसिवाह
सीसिग्व ॥ वरुन उवाच मन इह न न स्य मागास रुचयया असिग्व ॥ ००॥ इमिदि हामल लवनि
इह न न स्याय मग्विग्व ॥ यत्नया असिग्व ॥ यमका निर्वृत्ता कनका एतन्मन ध्या
माही धनदास्यं हारु कानि तयं वननी हायकी मग्विनाग ॥ १०॥ १॥ कलाट २॥ गामनी
ननस्यं याय मग्विनाग ॥ हाकाजिनि १०॥ यमुनि धीयितुं धयितान वद्धि वासि
खठिन वद्धि नर्म १॥ युवाक १॥ जाधुयाव जासवानाव गवर्तन साधवागनाग ॥ धीयितुं १॥
१०॥ यमुनि १॥ रुकाजिनि १॥ जिनि १॥ वासि वठि उधनवान मस ३॥ वान वाघास प्रथमक वन स ह्युद न
नाग ॥ वासिखडी १॥ धीयितुं १॥ यमुनि १॥ रुकाजिनि १॥ १०॥ धन वून युवाका १॥ वद्धि

४२

[illegible]

थाहृनय वरुतवहनया ॥ १ ॥ ध्यायाविकसाकाय ॥ पुनुरि गामूयसकु हनव ननुतव
नसच्छाहनव नाहण वागजवासम नवनाग ॥ श्रीखपु र्वाष्टमिदि काथयव उगलताड
ल इहननस्य धननलपयवय र्वाहनस्य धिरुन कासमादिनाग ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ गिरुला यमस्करवा
न सविरुलाल धनकाकाली ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ध्यान ध्यासमादिनाग ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ खन
का स्वधातनकाठाव छक
॥ निवद्ध स्वयथुयस्य मुः
दिगात् ॥ वधनव दहनवध माव ध्यासध कायगचव गलस ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ददव विक्रिदिदव ध
गलगपुभाय ॥ काकविकालामलकायमा ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ काकायमन्यागलवकाणव ॥ भदः काकास्वा
धिरनमदयाको ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ मातावद्रुतिनुगले ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ वयनथ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ अवनव आका

सु. क. ग. वा. ग. लि. व. न. ग. ल. स. ख. न. र. श. वि. स. थ. न. स. व. य. दा. क. दा. श. स. वा. न. जा. य. ल. वा. जा. न. उ.
क्रि. य. रु. व. गा. का. ल. च. न. व. ग. पु. मा. ला. धा. य. न. ल. वा. ल. वा. न. द. व. ॥ ॥ ध. या. वि. कि. त्या. ॥ ध. या.
का. ग. रु. न. उ. ल. र. व. न. स. य. ग. व. आ. ला. व. ग. व. धा. य. ग. ल. स. व. उ. व. उ. या. द. उ. द. व. व. या. डा. स. न. रि. व.
॥ लि. व. य. ग. य. ल. न. वा. ला. व. धा. य. ग. ल. स. व. उ. व. उ. या. द. उ. द. व. व. या. लि. व. ॥ का. य.
वान. हा. ग. ल. स. ध. म. म. य. ग. ल. उ. द. ल. र. व. ॥ गा. य. उ. व. मा. दि. न. हा. सा. ख. न. ल. वा. न. ल.
ख. न. न. स. य. गि. न. वा. ग. ल. उ. न. ना. ॥ ॥ उ. का. व. क. ल. ल. व. ल. वा. न. दि. न. यो. ग. दा. स. म. थ. द. न.
ग. ल. उ. न. ना. ॥ री. म. ना. डा. हा. ध. य. न. द. ग. न. ० स. र्द. या. व. डा. क. कू. द. ग. ल. स. वा. रा. य. वा. ग. ल. उ. न.
ग. ना. डा. वि. स. वा. न. हा. ध. क. न. स. वा. न. न. वा. ग. न. उ. ना. ॥ ॥ उ. का. मा. रु. न. उ. ॥ वा. ० ध. र. म. वा. हा. ॥ रु. शि. मि. दि. उ.
व. न. म. न. वा. ल. स. म. न. मु. क. सा. ख. न. व. न. या. द. न. स. ग. ल. उ. ना. ॥ स. म. यु. डि. ल. र. वि. य. म. स.

एतद्दमी धिधव गल्लंडसयाय आन दिगल्लंडसयाय नस्यंतातवंगल्लंडनीय मज्जवर्धनी
 गल्लंडनीय नस्यंतातवंगल्लंडनीय कर्षः अर्धइइउ १ लाहानीज १ कामतसाक १ लरिवरु १ धर्मसुखुड
 कागसर्वं क्रगसर्वं यदन गल्लंडसाय रुवय ॥ ६३ ॥ यः सदावात क्रग आरुगादः ॥ ६४ ॥
 नृणां यादगतः कामन । गच्छः यदंश्याकनकाष्ट्रं नृणां निष्ठाष्ट्रनागा स्वविकविदाः ॥
 गनयाकनसहीन गनोसीधः सजायतया स्याकगव मनिव मनूयया यनिषागन ॥ ४४ ॥
 वागउताव धृष्टीयदनायला हाथय क्रगस मिखास युद्धस नीतक्रागस धनथान
 सीसकव धर्क पुष्टिस्थाने क्रगयाव ॥ ॥ धवाचिकित्या ॥ विउस मज्ज अर्क शुठि वि
 एका धवदाव युकायात यमसरवान सचिखानस्यीथा सुवाकून सीरुनिवी धनडासन चका
 नल्लं नवय कावात रुसक सानान नव धृष्टीयदनायमाण ॥ ६३ ॥ त्वकावामां समदायिः

४४

४४

संज्ञासिमायिताः ॥ दायाः ॥ नित्यं ननेधानं जनय सुधिगच्छं ॥ सवस ह्रीमलास दायास ध
नसयीजनय कासग धारुनययानिव कायनयमनिव स्वनाहानद्ययस्य जायनयय गवमागन
डाहा नश्य ॥ ८७ ॥ मरुत्तुलं गुडावकं हलं वा यथवायगं ॥ सविड विनिगिर्यागा विह्वयः
यद्वियसुसः ॥ दा काखवस्या क गव गडि चकंदव नाउचकंदव थविडवीयाय विख्या
गि वृताविनिनडायनया नाः य ॥ ॥ सनयुज हलति ॥ ८८ ॥ मिदि धन युउतागीन
यगनखूदन नमन विडवि नायनाग ॥ ८९ ॥ एकदगा हिन ८९ ॥ था वलानीयुव
लकणं ॥ यद्वियसुसः ॥ दायासगकयसुथा ॥ च्छिथानसमंठधानिव वागविह्वय
साविद्यामन ह्रीम आगनुकन थवृतायाविन माठयानिव धाजया पूर्वपूर्व धलकण ॥
गवकावाइहा वासिधतिहावा डल नाथ गामुननस्य दायकं याय गवतव धानयामा क क

[illegible]

पुष्पद्रुमचक्रान् अधिसमं गवश्चान्तं हंसयानचाल ० गवान्त्सु पाय घालितं ककुनका पाद
गं क्रीवमरुव वधानदा लाविमपुष्पख ॥ शिकुड शिकुला मुक्तविठस तुउतुचगकादा यालाः
द्वर्गी विधिलामूल ज्वरान् दवदात्त लण्डिनि प्रकनामूल सिंधि वाकई हा रुतउ मिवाकाः
दाउ स्ववाद्युन यमसरवा न स्त्रीवागजविमलि शुक्रमाल धनिमी १४ वा न युगु
युधार्थ उधयुगुनियानामः सकाविंगमिवाय धयुगुलि लिंगस गवमागन वाक्कु
वनदास्यं लिख ॥ घालस धा गलस डलिमख ॥ सखनी कउ १ संसुलदेकिव मेस ६ ध
गगाडा सवर्ण चक्रान् खनि गवश्चालया लिख ॥ धियेगु भविस्वान मे २४ लखकु १ चक्रान् प्र १५
चक्रान् खन यगला यनया घानसु यशन यसरुठिसयशन गल डलिमख ॥ मानुवरी यगल
घादी युगुलि यग गाला वा अर्क सिंधि न गाल काला मनव स ० दनठि मनपि मुंज न

प्र२७ अस न २ ति २ न ति २ ल ख क उ २ क न वा न २ व ध व न न ना उ व न आ २ न न २ २ न य
 लो व क लो न का ०० ह न ति रु न उ वा इ वा ध न स न रा ग ल ख न न स्या या य न व २ घा न या ला व य
 का रा ख ल नि नि घे न न न स्या या य न व न व घा न या ला व य क ॥ घा इ इ ग्वा ल अ न ल मा रु न उ
 ध र्वा ग व क न ख व द वा जा न व न व घा ल या ला व य क ॥ रा ख न नि नि ०० हि मि दि त र न
 २ वा क न स्या आ य नी आ य नी स न वि वा न स ला घ ल न वा ल या द न व ल क्री ड न वा व
 छ ड स न या ल घा य या सि न व थि न वा य न उ स न अ व क्ता य ॥ ख ल नि नि म क उ म
 मा ला य न न या व द व न क ल नि नि न ०० म न म वा न वा व ०० हि मि दि वा ना य २ म क रु न न या व
 घ व न न ना यि न रु स्या न घा न या ॥ घा ल न म द स्या न वा स्या वा उ न घ न रु ख घा न या ॥ जि
 नि स्तान या ल नि न ख ला उ व नि क र्ज ड स ० ०० हि मि दि क्क उ रु न ठि मि स्या वि क इ वा म न नी ति

५३

वा० यनं तुल्यं उ ह न उ ड ह ल थु मि वा इ वा स वा ल थु मि न मि न थ क न ध्व १ ल ख वा उ ध्व क
न वा ना म ड गि वा दि ते ल ग व र धा न या ड य वा रु व थ क न ॥ ग व न व धा न स थि तु क ख थ ल
मं ॥ ह वा ल मं २ रु न उ मं २ उ श वृ ता नी न का स्य न स्य धा न स य न ॥ कृ पि नि रु मा रु ल डि रु क डि
वि रु नि धा न ख य न धा न स
न क न म् २ २ र व न धा न या
मि दि रु वा डि नि मि व कि सि
घा ल वा इ रु वा क वि वि सा रु थ ॥ मी था ना य गु या ना इ दे ल ना म थ ड धु र्म रु ऽ स्य न रु न
स या स्य ग ध ग न दा व इ रु वा व र व ॥ अ या मा र्ग रु इ दे व या ना न था ड ऽ स्य या स्य ग ध ग न दा
व इ रु वा व र व १ व ल स वा ल स र्वा ल धा न न स्य धा न स थ ड इ रु वा व र ॥ अ ड न रु ल न स्य

[illegible]

हा कालहा रुक्मिणि आदय वकसि मसि उवाच या उवाच मयान् दीन स्यात् किं व ॥ द
वकात्रकव शुठि गगयय अतठि हा ददे स्यात् किं व ॥ सवता स्वाथनहा इ इनाउ सवाख
रुक्मिणि यमुनि शुठि लाहा स्यात् वा खठन नस्य दावकायाय स्यात् कसिकया किं व ॥ खखलदा
खयन खियनि रुक्मिणि गगयय या स्यात् वननस्य दाव स्यात् कसिकया किं व ॥
वानवीन स्वान रुक्मिणि स्वहान नू यवकाल नस्य दाव स्यात् कसिकया किं व ॥ णिकइ णिकला मुक्क
विठसयुठुठुयगकहाय मसखान प्रकला मुक्क रुक्मिणि दवदानु युगुव र्देति
स सजिरवान वठियान वाकट मिचकि सि निम्ब रुक्मिणि युगुव डासनर्म उवाच स्यात् किं व
सिन्धुयुनि न ॥ जिनि हा रुक्मिणि यमुनि समहा गहन डागि द्विठा युठि चिं दन नस्य उला
हीन युठि वलकाय यादवगिया किं व ॥ तयिन् मसुनि वनूण अलठि यु रुक्मिणि विहानन

२१५४

五

[illegible]

दन्तघातः । दधावनादसूयस्यनादा । धानिस्तदावाधनवानसिस्त यथायदः । विविधावुवा
 नेष्टा । लाहा० नदाया त्वसिधातलावा वानदाया द्यालमसलदान अगीमिथूनयादानथइ
 न । धानिया विवदावनयुष्ट लिगसदाया उददसर्व नानाअधवाननडावनयय ॥ ॥ अक्
 मविहुरुसाद्विः यानिगद्य
 यथागमसयका लिगगवय
 गृकादायथाय ॥ धनगायः
 डिखिनालसमराग स्वखुदगल ६० डीसकाधुवववना ॥ ॥ ग्वाथयनकगिध ६० हिमिदि
 मीसलेयावनकास्तीले मिचविोसिलेरुनते चवानध्र १ लखवुठ १ धधकाननलिगकाधुवव
 याडरुमख ॥ नसाइन लखसधलावयाथीनव लागायवा नवस्यनाकयातुकागयोया
 दसुकावायया

धालविद्यायां लिङ्गककुब्जनाम् ॥ खगमातहतं हनति विमरखयन हस्वितान्नमाह
 त्रयानि नलखन लिङ्गककुब्जसत्तथूनकाव धयूननकास्य झाडावकाविठलर सल लिङ्गक
 कयाधविधिरुग् ॥ जिनिस्वानकनविनस्वान ऊकीस्वान धस्वनायाइयात दिगहनयमिम
 स ३ ध्यामलालखन कनला हयकां कायकाव धलखनवाकुकसल लिङ्गककुब्जनाम्
 तवायवनीकासम ३ ध्याम ३ लखय २ यवान असा १ धनखीदन लिङ्गककुब्जनाम् ॥
 मिथिक उमासी खीयाल गु डि मामलकाव हलति ठ्ठाष्टमिदि धामिमस २ खान
 यकनय लखका १ धखीन लिङ्गककुब्जनाम् ॥ लिङ्गक जिह्वा मूल विठस गुडगुधगका
 हायालाउवनि धीयलाभूल अवस्वान दवदाव यमिस प्रकनामूल सिधि काकाईहा
 हनति मिथिक सि खवाकल यमसस्वानयां ३ ॥ जिनिवलि शुकायाल धाममिस्वान ॥

[illegible]

विष्णुवत् २४ तपू न्याज्ञानम दिनप्रागमस्य ॥ गनीयस्य वदय दयकाग सा प्रयुल्य जने
पुनः सतिव ॥ २४ ॥ वाता उवा हामनवा कल्या नाठ कादना ॥ २४ ॥ विठ्ठल कचिला कानि
हजउ वाता उवा गामगीननस्य गोठविठ कायुठिवाथवनका यिनि २४ ॥ २४ ॥ सुव
उमका धवासन गीगनइ
वनका नना विखयन रुवा
हनिवान वकाय स्वहान सि
नका उवा गामुठ काठिठि मुठनाम १ कका कका वाचकान खने लिख ॥ २४ ॥ वगवाहा मनव वि
कांमुलि खेवल नकन रन पाय वनका हया व नलि ॥ २४ ॥ यावइ वन २ गंधका मीपन ह
मीपन ह १ काका मीपन नी १ ह १ गामुठ उवा १ ॥ २४ ॥ वकाय मनव धनगा

१०

के. कृष्णककुनाग. निगखान. चमकाहा. खयाल. अगागविहा. रुकड. वडुग. मेवव. यव.
याग. अगगुठना. यग. महि. ववकाक. पाचकनखन. ममगीलम. अ. याम. मिचका. स. ११
नका. दम. १. कर्मज. १. अगिअग. १. रुनिधान. १. वकावि. १. स्या. १. रुवा. १. श्रु. १. व. १. मनव. १. उठयु.

१. गामाग. १. ३. वकान. १. म.
वलिम. १. वकाविम. १. उठयु.
अगम. १. श्रु. १. म. १. गामा:

सिखकाक. पाचकन. अ. कर्मस. १. नका. वदनम. १. वान.
म. १. रुकड. विम. १. धि. विलिम. १. म. वयम. १. मना. १. मी.
वयनकाहा. म. १. मारुवठिम. १. व. विमिदिम. १. वगव.

काम. १. अगग. १. म. १. वकान. १. गामा. १. ३. वकान. १. रुगा. रुगा. ककुनाग. १. उलसि. १. उ.
यु. मरकि. १. रुकड. उका. क. य. अगग. १. उठना. १. धन. व. विमी. स. १. स. १. धन. वा. स. १. उठयु. उ. वा. स. १. य.
१. य. अ. व. व. क. १. १. गी. न. मा. व. न. स. १. स. १. य. १. इ. १. क. रु. मा. व. न. १. य. १. स. १. स. १. न.

[illegible]

शुद्धि आलाउ नन सी, निरुन सगन की धुन न धन नून काव म उ विड मन क थिान सुधिन
मेश्वान स्वधि अम धिरु वीठ वन ॥ अम्वन अरिल का साखन सम न म अरिन वानन पंड
खाहुल रवन ना धुस्य अम धिरु ना ॥ अम्वन ०० धि मदि साख व सम राग वास्तीन वाल
नर्म अम धिरु नाग ॥ अम्वन
रिन वानन मेश्व धिरु
साग रल रवन वाल न नाग
अवल धी धिलि अरिन का इनाल रु सम राग साखन वधि असन वधि क रिन वा
लन मेश्व धिरु नाग ॥ अम्वन रवन धी खय अरिन का सम राग जनि ल रवन नर्म
साखन मेश्व धिरु नाग ॥ अम्वन रवन धी खय अरिन का सम राग जनि ल रवन नर्म
साखन मेश्व धिरु नाग ॥ अम्वन रवन धी खय अरिन का सम राग जनि ल रवन नर्म

विधि विहित आठग समस्त गडासुत्रम् । बद्धि साखननवाद्य नमस्त ३ वानसना
 म १ मनव म २ रुनउ म ३ साखन म ४ नमस्त २ नवाद्य वृत्तव कालिनवानवृष्टव
 १ ॥ जिहला ३ आठग १ काथवन १ रुनउ १ विधि विहित १ साखन ३ कालिनवानन म २ वान
 सम म ३ स्यात् ल १ वउ म ३
 या यना द्वाय ॥ भगलठिहा
 यागनन मिनमरु लसि ग ॥
 यागसहि ग ॥ मनव विधि विहित साखन र्पुनिसावृष्टय क्रलसयाद वगव सिजलरवठाग वा
 वका शिकद पुष्पनिहाय नासय नस्य वाकल रवननायाल ग ३ रुनना ॥ ६० ३ ॥ लवणाव
 कहवुदि ससवादावकायन ॥ विशयः सकवाहया सर्वप्रविगर्धना ॥ नि यादु नावुः

52

यद्यक कृत्वा

त्वमा धनञ्जयः सवनवा इधन कायनययु विगयवावाककृ क्रसमायव गनीनसंतर्प द्याः
यनय सुठता अलठ सुठयु माहलठि वृत्तायात विस्वीधननस्य घसन दाइकाकृनाग ॥ हास
वृष्ट वृष्टिमिदि नस्यलयन काठयायवायकाकृनाग ॥ सिदलास काव २ सिधकाव स्वप्न धसः
त्यन सिधहावनठाव वाक सय बालडाधमाता धयवानन कृकाकृमानागः ॥ क्रः
ल्यजनामासि धननाडरु धाय पूनयाड धलनवान् वासाक्रियाव गवगवरु माया
कववकाकृनाग ॥ श्रीगालः सिधव सता माहवठि मधुनिस्वान् वलीगतदल ध
धसमलाग लेधननस्य धलनवान् याड गवगवरु मायाड याडस क्रियावनाग नास्य वरुम
अभास्यवव काकृनाग ॥ मधुनिस्वान् वलीगतकाव वृष्टिमिदि धनइधननस्य धलनवान्
न काकृनागलन काकृनाहयुवमानाग ॥ जिनिस्वान् वात कावडा नकाव वरुम जगनासि धा

कनवीनवान् अगवासीति हनति मित्रकिं गाडजाव मनठि चानवन ३५ गवा ३५
 इहाग्निमसत्या १५ गामगि १ लेख ३ ख १ धवकननठल दाधानमठ ३५ व ३५
 नतदानर्थका वावासन हाकुडीनि हनउ आमलसगी खंड चवन धनखुठ रगतलवा ३५ व
 क ३५ दिव ३५ ख ३५ स ३५ ग ३५ मि
 की धसुमगल मार्गस ॥ काव
 मसिवन मार्गसवव अनस
 नयाव चवनवावालाव निशानसवाय आव युचियुयिकानकाव धवकननघाघनकाकेस
 वासुकाकेसगलड लिमिख ॥ आव १ साजनसग धवाकायादान अचकनमालासगयाव वा
 कलडि १ साजनसकावननयाय मदाय आव १ वायाय ३५ व ३५ धवकनकाया वासुकाके १ याय

५३

वाय मकङ्कनाग ॥ रुसइइस कायूनवाल मगवय मकङ्कनाग ॥ यममं दूठर मनेगाल ॥
निधान ॥ धुनि ॥ मनेक ॥ निवे ॥ चकन ॥ लरखरुठछि ॥ मनाकाछुआ ॥ दयदेव ॥ रुनठिमिय
सनाधि ॥ र्वयाल ॥ यग ॥ गभक ॥ कनवुनिहा ॥ धन ॥ धनिमं ॥ चकन ॥ गामनिधु ॥ धवकननम
नाकाछु गामदव ॥ यालि ॥ व ॥ ॥
व ॥ जागिवायाय ॥ वाकावा ॥
दवव ॥ ॥ खनगल ॥ पूठयनिवा
संठागवाल ॥ संगीकाछुठनग ॥ यलनवाल ॥ मिखागथीठ ॥ मिकाछु ॥ मिखाइ ॥ साकाखविहावेना
ग ॥ ॥ घल ॥ उवगी ॥ ॥ धुगियन ॥ निवे ॥ आदग ॥ गिरुला ॥ गुठगु ॥ धनिग ॥ ॥ धलवाछु ॥ लरख
स ॥ वालमाचागास ॥ खालस ॥ काछु ॥ रुलववासी ॥ वनडासी ॥ धधलनवाय ॥ ॥ वदेकठमन

मूधुगीगकाछुवनडासी ॥ जागरुले ॥ जागीययठनडा
काछाल ॥ थिगलदिनडा ॥ गीसववकाछुमनाकाछुनना
व ॥ गिजनसंठागन ॥ थनी ॥ रुलठ ॥ धधलोगीस ॥ सिजन

५६

[illegible]

भस्मिन्नाय जिनाव क इना ॥ ॥ यउ सयु चउयु चगकहा अवेत कलति दिगु क
ज रुनउ वक वि कूट व ययय ग्यामननकाहा ग्यामनीननसायाय स्वाति जिनाव इति ना
हृ गामणी धनिलवनि जमनसयाह वा नवय घ स्यन द्वा उ झा कानाग
विस स्यासमहाग ग्याउ झा कानाग ॥ लवनि सरवाल स्य ३ दिव्य रुम
सयाहन भलवयन नय ग्या उ झा कानाग मदनय दलख ॥ ॥ सययाह वदि यादाक २५
लवनि धनदायक ग्याउ झा कानाग ॥ ॥ सिद्धिया वकि याज्ञा ॥ अवन सम
सरवाल स्वाधननस्य काउ गदवाय सिद्धिनाग ॥ अलापुस्वानइ ० नयु गीवका लीखनन स्य
लवयय सिद्धिनाग ॥ ॥ हानधावम र्ति यम रवाल क २ ठाया ला उहन प्र ३ धनमयवयम
दनयय यय ग्याव लीखननया य हाक सिद्धि नाग ॥ मयानि स्वानय कूट ख ॥ ग्याह

वठसिवाव यमसखाव कविललखननस्य धर ॥ ननयवय सिद्धिनां काष्ठोसवास्यः
नागादिदिनां नाग ॥ ॥ लीमनाडगीमं उकाकयानगी उमनव उडरुलहा उरुनठि उगीवका
उखयल उगामति उयुठिविय ॥ १४ व्याकयासिन्व ॥ रुनठिमि उमुठमु उअवन उअमुनि उस्व
तमनव उगालमुल उरुन ॥ उ उयालाउवनी उआदगा उमीगयाठववना ॥ ॥
॥ ६० ॥ ३ ॥ नातायाना यननया नाचिको नाद्राय ॥ उका त्वाठ वठिमिदि स्यिद्ध सम
लाग काठयाठ धलवावास्य वनठनाग ॥ ॥ कनीलसक कायक धुस्य लखन
खालयाठ गीकास्य गामूठवा मनवय वस्य यनठनाग ॥ ॥ रुनठमिवकि यन उरुन
इननस्ययाथ यनठनाग ॥ ॥ गनयुष उरुलरुन धुठ नक वीदन उगालहा विवव
स्ययाथ यनठनाग निविमनासिन्व ॥ ॥ यिवसवना त्वायन हावा मानयसयाना ॥ ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ माउगावाठ गावव ॥ ॥ हासपुंज लिमरा ॥
॥ माउगावाठ गाववना ॥ ॥ मदागिनितीप्र ॥ आमवसगीप्र ॥ यतिमाखिम ॥ ३ दस ॥ २ ध
वकनन माउगातल तानाग ॥ वकाचि ॥ उठयु रुनवनालि धत लखसमस्य ॥ मूठगा खनन ॥
लाथयलन माउ कस्य गा ॥ कावेनाग ॥ ॥ श्रीमवाजगीप्र ॥ रुनउ मं २ उगा ॥ ॥ हाइइ
कालसहा ॥ यतिपराखि ॥ ३ उ ॥ वकन ॥ २ लख ॥ ६ तानावया वकनखेठ उलिमेख ॥ ३/६
॥ ॥ गिगरवाज इडमं ॥ अरु ॥ ॥ श्रीमवाज ॥ यग ॥ ग्याला ॥ १ पुंज ॥ १ घाकाईका ॥ १ युका
वकन ॥ ध ॥ वकनन ॥ गवमागान ॥ माउगातारु सरुस्यववयासिग ॥ ० ॥ ॥ वा ० यनकाहा ॥ ॥ (वा
स्वीडननस्य ॥ लयनयो ॥ ६ यनननाग ॥ ॥ कनवीनसिकव ॥ यनसमदनिव ॥ वस्य ॥ वनठनाग ॥ ॥ हा
काडिनि वा ॥ अवा ॥ यालादया ॥ काउरुनवानयाव ॥ यिनकायिनका ॥ रुग ॥ मूठगायास ॥ गवठन ॥

गङ्गा आश्रयं बालं वा हाकडी निवान स्यादाह यत्र नाना ॥ ६ ॥ ३ ॥ स्वयमाघि स्य तनेक माः
श्याम्बु निषद्वयाव ॥ धाली कर्षन्नि विस्मृता सध्वान् हनयुवः सवान ॥ वागदिह श्लेषा श्वय
हीसलाग वागस आसवनय ह्यनयादाव शुभक विष्णुगजान् दाल ह्ययादाव ॥ १ ॥
डियानीयग रुडियानी वि कित्ता क्राथ ॥ ॥ नकवदन मजवन चालावया
य यशरुडिनाग ॥ यत्रकः गल पुयका गल गालिस रुष्टिमिदि नस्य लेयनय
गरुडिनाग ॥ हनयनखाह हाका र्षिष्टु न स्यायाय यग रुडिनाग ॥ अत्र न स्यावा
वनसखिस ॥ तुति मनी ० नडा सिनिवा समलाग लखन नस्य दावकीया न दिनयायन
यन स्याल रुडिस उदयवत सिन्व ॥ लयादवा जवसहन सैरवाजावाना वाग रुडि
नगा क्रयक ॥ हाकावा स्वहाग कविला स्वीधारा चालयाव रुडि मद्रियन सवय

[illegible]

[illegible]

न वृत्तं जामुकुष्टं दीपना ॥ ककुना ॥ अदग खयवसिं यत्ता उवागिनि निवर्तव्यं
वृद्धन खूद नस्य ॥ वृद्धन ॥ दय ककुना ॥ अदग खयवसिं यत्ता उवागिनि निवर्तव्यं
उवम कन निवृत्तं गिनि ॥ अदग खयवसिं यत्ता उवागिनि निवर्तव्यं
ककुना ॥ ६६ ॥ मखन
युद्धन काय उग वा ॥
वागनलन दक गलनाग ॥
लार्थवानकाठ दक गलनाग ॥ अवन सिं गी ॥ नस्य वागनलन दक गलनाग ॥ ६७ ॥
वृद्धन ॥ अवन सिं गी ॥ नस्य वागनलन दक गलनाग ॥ ६८ ॥
वागनलन दक गलनाग ॥ ६९ ॥
वागनलन दक गलनाग ॥ ७० ॥

वीगवावन गवाकील इइवाता ह कसी ब्राह्म नानदीववनाग ॥ अहीथग कसी नवातव
कौ नानदिववनाग ॥ वालग्रीखणु डगलहा खाकन कालसमन चुनया दनस्य हीझकनाग ॥
अवत नूयकागल यठसिकव वठसिंदन नस्य धलसकाव मगवस्य मकाकनाग ॥ रुसिइ
इस कावुनग ॥ अयमगव
वानथीद यमजववायनाग
धमिमस उवकमय ॥ गाम
न कृथसकाकवन जामीथायमनवनस जामीथकायाव काकवाकाकलखी ॥ थं गीः
गवने ककसकासी दिनड ननानछयक विधि ॥ ॥ श्रीखणु लवदि कूट जनिरुल य
नवाले मगवाये मकाकनाग ॥ धिंमिलि सीया आउवी लुकमाल मगवाये

सवाल भगवाय भगवत्पदा वादक ववया जानादिनम साकया मागव सपुया
॥ शुक्रमाल लवद वव यधिलि रंगमावन टडकल ॥ युनजाह वीरिन वमन
नानदी ववनाग ॥ - ६७३ - समीकलः प्रागगमा नथावन समकनः शूलमनी वपलु
कवागिवाये यथासुमाहगः सकर्षु शूलः श्यामि साविनाग्रमः ॥ प्रागग्रमवा शूल
नवणदाय क्रग नमुठिस सक
याग क्रग नमुठिस वनेगव
विकिसाका ॥ ॥ बाल स्वर्षुठल क्रग सथेठ कर्षु शूलनाग ॥ मुठि लमवयन स्य स्व
स्वर्षुठ क्रग सथेठ क्रगाक्रडावनाग ॥ सुसखाया साकाजिनि स्वर्षुठथेठ क्रगाक्रडावना
ग ॥ कूट मुठि वव इवदाव लमवयन दिगु साधा समसाग डामचालसया चाननस्य स

१५

स्वर्गार्थं कृष्णक्रीडावनाम् ॥ नमो गालिगि ॥ अरिलहा नयाव कासीनवानर्थं कर्णमूल
नाम् ॥ दण्डाय लहा वाक्यं लखननस्यार्थं कर्णमूलनाम् ॥ कृष्णगायत्र्या नमः स्वर्गननस्य
साचीमाग्यार्थं कर्णमूलनाम् ॥ अम्भगव दूठ डामवालसयाधाननस्य गीर्थं न वायास
नगस्य न दिन उधयालेव स्वर्गन धडावधीर्नमानवाक्यं ॥ कानि उलेखका ॥
स्वर्गार्थं कर्णमूलनाम् ॥ कर्णमूलनाम् ॥ कर्णमूलनाम् ॥ कर्णमूलनाम् ॥
नव ॥ गिगवाल रुचण न तदयम दाहनय धनत्त लेखिसहस्यार्थं कर्णमूल
नाम् ॥ गानुलेखिसहस्यार्थं ॥ नृयं रुगनहनवा अम्भगवया नगाडरु आहनयाव कायकस
याउवस्य कर्णमूलनाम् ॥ कर्णमूलनाम् ॥ अम्भगव गगवृष्ट धन लेखननस्य
स्वर्गार्थं कर्णमूलनाम् ॥ कर्णमूलनाम् ॥ कर्णमूलनाम् ॥ कर्णमूलनाम् ॥

नमस्तव या ताय के ॥ कूट या वासन वकसि के वु ठक लाय हा सौ भास मस ॥ लेखन न
 दायक याय क्रम लिखन उदवव मासि ॥ धना यया नाम वला सना यवाम ॥ मागल
 मलिनि निरके वी दव मलिनि निर ॥ सासन लेग उ इउ वन वा या धया हल लेख धुटव मे
 स्य काय उग या उ व स्य य इ न क्रस सथ ड क्रम का जावना ॥ गउ सम वउ कश्यु
 ठि मान वयु उ व ह मिदि उ व कन प्र य स थ ड क्रम का जावना ॥ २०५ ॥
 नहन यस्या वपु बाग व पु विथन पु य मिथ सना सा न व दि या ग थ व सा य उ उ
 इष्ट यय स्या सु यीन सन ॥ गवन या क्रम धालन य क्रम धालन ग व क्रम स्या य क्रम स
 गव धा द स्य ननु गवन सन क्रम सन नाम नाय क्रम स द उ द उ मि ग्व मीन स द दिन नाग
 वाग याय ॥ ॥ धया वि कि सा क्रय ॥ ॥ रं ग कि मी हा लेखन न स्य मि द स या ड क्र

गानहीववनाग ॥ रुद्रयंदा लंखन नस्य मिहसि याद क्रासहीडनख ॥ अवनवृ लंखन
नस्य ठववालावनव क्रासयथंठ क्रासनहीदावलीठख ॥ डरुल वृष्टिमिदि वासिद
ठंवाल साखनणवानन क्रासनहीदावडलख ॥ वासिवाठंवाल रुलड गुठेता
यादा साखनखादलख आन नस्य गादण क्रासनहीदावडलख ॥ गालि
सर्वसजावन श्रीखणु मि दिथ डरुल आदण साखनणवदि डामनणव
कि नस्य मंसन क्रासिंदा वडयख ॥ याठव मं२ मिचविंमिं२ मादलडि२ क
लवग२स्योवा२ जिवित्वा नवाल२ वकन प्र२ लंखणु १ धनखंदाव क्रासयथंन हाणसु
वकाकनाग ॥ डरुल वृष्टिमिदि वासिवाठंवाल साखनणवालन क्रासिंदावनाग ॥ ए
गुठिगादा साखल खादलखन नस्यगाद क्रासिंदावनाग ॥ वीगनवन श्रीख

उणलहा अकग साखदगवदि उ।सनन वदि नमं २ कार्ये हावनाथ ॥ ॥ ॥ ॥
 दि कसो ॥ उवात साखननवानन, कासिहावनाथ ॥ लंटाकिमिहा लंखनन ये मिहा
 सया ६ कासिहावजय्य ॥ स्वराजिन मे वानवलिहानरुन विधिलि मनव सा ॥ य
 उच १ चगका १ धाविहान सुवाकुल १ रुनउ १ यालावा १ यनयहा १ कागसवा
 धननाग ॥ यय १ ५ वरुन ६ मुक ६ जराजन ६ यरुनउ ६ डिनि ६ धीधिलि ६ वि
 उसय ६ शु १ ० ६ साखन टका निन वालन कागस कथनथा कना ॥ ॥ डिनिहानवा
 ल चगका माहन डि वका वि डिनि ६ छिमिदि कर्जउ खयाल उठय साधा वनमइइ
 ल क्रग कागसकाक्या वकनखुन ॥ उवसीम २ मिदि २ यगति २ शुनाजन २ धीधिलि २
 रुनउ २ मालमूल २ छिमिदि २ धिनगनाथनाग ॥ ६ ३ ॥ वागतियकाकडाइका दलि

६१

१२
समस्तद्विधः। प्रायश्चित्तं जायते धातुः सर्वं नृणामथायनं वातनयिरुन स्थायनं स्त्रीन

धायनं विविधा कृतं यादृच्छं नृणामथायनं धनं ॥ धय विविधा कृतं ॥ अथा
मार्गहा सिमखा लाग स्त्रीधनं चीवा चालाव वायास सवालाव मिखास थिद मिखा कनाग ॥
धिठठक वायदा (गात्राव न वलिनिद्वयक मीसर्वद मीस्याक खटिनी नाग ॥ नक
चदन कास्तिमवान थिद मी स्या कनाग ॥ शिवाइ रुनठ डरु लहा शर वसाडान व
लिनिद्वयक वात मीस्याक नाग ॥ बुटिनाग ॥ साखन स्त्रीवा डिनिस्वान चालाव
वन स्थाधन नस्य मिखास थिद मीस्या कनाग खटिनी लालीख ॥ मिदि चाक साखन नसाडान न
रुचंदन डगल रुनठ याग धल नालि सख ठकनायदा इठिनिमिद मनी ० अविन न स
मय न याद लीखन नस्य वलि निद्वयक धवलिनिद्वल नील यदस खडि न वायन कि

[illegible]

क्रागसर्भक मीअगितउवकशयुय ॥ यंगनावनसमुडकन कनखसन याधननोसुअस
थेठ अशनवैघटनवै अजलकयाव वालन मीतउवकशयुय ॥ डिनिकलउ दासवाक
लउमविचगाउ १५ धिंघिलिगाउ ५० धनलखननस्य वलिनिद्वयको मीसवाल अमीनः
जवकशयुय ॥ धरिनि गूनदावकाकीनयालन ॥ ॥ दाहलउ मननोकावु
ना कायगाउ १ धिंघिलिः वउ १३ मजवकठले धनकीमनाजमीनस्य लउविः
दगलीमनाजमीनकास्य दिननितानसन धनीवरुनयाल धवाहनीनमीस
वाल धवयलणवालाव अमीनउवकशयुय ॥ ॥ उदलाटासमन यगतिधुमन मीवम
कावाह कावइइनवालथेठ रूठिनाण ॥ रुकउ मिचाके छछिमिदि सीथा असयुय ॥ ॥
वावा गामती मखि सुड धनसहिम्येत धसन मितासथेठ मिवायुवालात ॥

यादवस्य स्यात्वा कृष्टः सुयन्मालः कृष्टवीजः टकनाथः विधिलि अडुनिखुनमी विठ्ठलः
 लिखः वाक्यः दददास्तः समस्तानां चमसइइ न नस्यः बलिनिदः नस्यः मिखास्याकावाः
 यस्तिवः ॥ रुनठ व कृष्टधियिलि मनवः वदुनठ मनः नातिरः ख मननीलः समस्तानां चलः
 सइइ नवात नस्यः बलिनिदः ॥ रुनठ व कृष्टधियिलि मनवः वदुनठ मनः नातिरः ख मननीलः समस्तानां चलः
 व ॥ स्वानगल धूमक नस्यः ॥ रुनठ व कृष्टधियिलि मनवः वदुनठ मनः नातिरः ख मननीलः समस्तानां चलः
 रुठसन्धान रुनठसगिः ॥ रुनठ व कृष्टधियिलि मनवः वदुनठ मनः नातिरः ख मननीलः समस्तानां चलः
 स्वास्यालः स्वाविकालः नागः ॥ ॥ मिखास्याकावाः सानिधानयाडासनः ॥ याः पुनीसः वाधुनः
 लाकास्यः मीखासवातकाः रुतिवः ॥ रुनठ मनगाठ १० वदुनठ १२ यनगिमन ४ मनिव २ बलिनिदः
 रुठ वलिनिदः यकावालः ददगयाः जानगा मिखानखः ॥ ॥ धियिलिगाठ ३ मनवः ॥ रुनठ १

हनुमन्मन ॥ १॥ ७ ॥ २ ॥ हनुमन्मन ॥ वलिनिदयकं वल मिखाकडकन ॥ भाकालिनि
हा डिनि वजस इहननं स्या वलिनिदयकं मिखासवालन खटिलुव डलरव ॥ ॥ चरुम
पुनस दिदिदं स्या स्या नडमलाकया मिखाकडकन ॥ ॥ खलातासायमाना ॥ ॥ न
कचदन वालाव ककन वाल मिखासथं मिखास्याकनाग ॥ धनु लवहा टव
लययावाल गुठटा स्या समराग धलनवावन लखननस्य मिखाविदमया
अ मिखास्याकनाग ॥ ॥ पुं स्या उस्या धलसमराग खडननस्य कायउसयाउव
स्या मिखासगतयाह मिखास्यालरिने ॥ ॥ उरुला समराग आडाव लखननस्य कायउस
याउवस्य मिखासगतयाह मिखास्याकनाग ॥ ॥ ६ ० ३ ॥ मिखावागावुडावन वगमिल
केरुलि ॥ मिखावगनननन कथनविमिलि ॥ ॥ मूठ श्याव जायलवन वागन

मिखास्या
की

[illegible]

ल सनका वृद्धमथ लयनयाद वागाधिकनमाठि स्यात्तत्तिग्व ॥ रू लकंक्रमद्रासगर्थद सि
ग्व ॥ श्रीमनाडाका **क्रा**गसर्थद सिद्ध ॥ द्वाट अलंतका युतयु लरघननस्य कसि द्वाट नाद
धिरुनमाठि स्यात्त यीकन लंग्वतम छिल सिग्व ॥ सावनडाठ वागायधी ॥ ॥ दिगुरुल
धिरुतु सुंठि माठि स्यात्तया य ॥ वृष्टिमिदि **क्रा**सगर्थद माठि स्यात्तनाग ॥ ॥ ६०३
॥ अष्टयु प्रारुव लव ३ सादः मंगः सवदनः ॥ नस्यातिदुलो दो वल्यु कुमा सुद्धमदक
था ॥ सुडनया अष्टयुनना य शनदाव मंगय स्यायु थ नाय गवचु शनदाव इव
नशय लीगाठ मछिन थिक् डाथि निरर्थद न ॥ ॥ **थ**या **चिकित्सा** **क्रा**य ॥ ॥ रावाचु
ल जीने वृष्टिमिदि उदाल धनिनी सरुसा कसि द्वाट नानक वाग अष्टयुननाग ॥ ॥ ॥ ॥
नी युद्धयुनी अरुलनी कसि द्वाट नानक धिरुसुदयनाग ॥ वृष्टिमिदि थिरुल रत्ता

[illegible]

गीगातीदुस्वानदा तकायदा मजवगाउशकनीवलीखन हयकाकृयवाकस्य धर्तख
ननस्येताद ममेश्वरकानि सावननाग ॥ चर्वकनदा शालदा मजवगवशकनीउलीखन
मस्य युवाकसलागीसदास्येताद नकाति सावननाग ॥ वायलिसवानदा मंठ मजवगाउश २०
डासन युवाकसलागीसदास्येताद नकाति सावननाग ॥ चर्वकनदा नसाइन युवा
कसलागीसदास्ये कसीधु
वाकसलागीसदास्येताद नकाति सावननाग ॥ नसाइन लाहा वालेसइइसदा
स्येताद नकाति सावननाग ॥ चर्वकनदा ल्वाखदा चानसइइसदास्येताद नकाति सावननाग
चर्वकनदा कासयमिदा युवाकसलागीननस्येताद कसीधु नकाति सावननाग ॥
चर्वकनदा युवाकसलागीननस्येताद नकाति सावननाग ॥ वदियाल दाग

१॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

माउ बाल युवाकसलागीसदस्यताह नका निशाननाग ॥ ६८३ ॥ धूमिगालिगसम्यक्
 लिगीवावागियत्रिक ॥ उत्तयन यदायानो ॥ आक नूमुआमिडा ॥ दावनन आनिस दानद
 योजिवा हीवाडा वयु लिगीकान सीहातस्यवकय धनययानामयानिकदवाथ ॥
 धयाविकित्सा ॥ यागधल चनय सुदागा कवउविसकय अंवय चूनय
 ६ मियकिंमिसरुगन क कीनक्रास्य आनिसइयठ आनिकधेनाग ॥ ६८३ ॥
 रुयातिद्यागगीक्रास्य याना सननिधवनाग गवुधेठगिनकास्य सगुलदगनीरुव
 ॥ रुयागहल ताल उल अमीनीरुनयाल अमीवाकनल गाल तुविलिया गवुसना
 वा मोवादय हीकादय धनयान स्याक खेड ॥ मूठगवुधाय ॥ ॥ धयाविकित्सा ॥ रु
 रुनयागगीरुस ववया डालन ॥ गवावासीसाकुसकाया ॥ ॥ मिदि धियदु इदवा

लखदा ॥ धललवालनक इदिया ॥ १ ॥ यदवाशिबुकाव ॥ दामल ॥ ममा ॥ ० ॥ अतिनदा ॥ दल
सकावावनक नलाया ॥ २ ॥ यदका उदाल इइकालसदा धलनवालन ॥ **खिलाया** ॥ ३ ॥ इ
इकालसदा उमववानदा का० यन ॥ ४ ॥ मिदि धनणवालनक ॥ **धिलाया** ॥ ५ ॥ लिंक ॥ गिनि
वाल नतवादा यदकासिक व ॥ धलणक दालाया ॥ ६ ॥ चडावहि वदियालख
रुडन लिंक ॥ गारवाल इ ॥ इयासदासगानक युलाया ॥ ७ ॥ सिघाडक अ
गियस मिदि इइसदासगान ॥ नक क्रसलाया ॥ ८ ॥ खडाल बाल लिखकथगिनि
यालाठवमि उाका ० गिनि समनकाग मेशवान घ ॥ इइसदासगानक स्यालाया ॥ ९ ॥ वरि
मिदि इइकालस मोके दा इइसदासगानक युलाया ॥ १० ॥ शुठि इइसदासगानक डिः
लाया ॥ ११ ॥ धडासनपवाल मामयावथा दान मदनक माचापहिंयादल ॥ खसुगीयाद

[illegible]

१५८० २५ के नीचे

* मानवार्थि लखान एह वल्ली थ जग यमिलान नृभमा लख वयका सुवका कायं वंजनका
 व धलखतोनक सुतिका वायनाग चिपिलि दवदा नृगणु नृगणु नि चिचलाह नृचून
 नृवानेगीसरु सीताह नृ सुतिका नाग ॥ १ ॥ कालस कासाह नृगिकक्याह लख रुझिन
 काठिद्वयको धलखसय
 ल उदाव सुतिका नाग रुना
 ॥ १ ॥ इह मा नृगणु ॥ सुन
 इह सवाय वसर्न लादीन दाव रुस्य सुडानया सुननाग कल्यानयाग ॥ १ ॥ धया चिकि वा
 लाय ॥ १ ॥ रुलउ रुस्य सध मिचकिं सि निव रुह मिदि युगिर्म उलखक उसाइइका
 इह वायल नाग ॥ १ ॥ ककुलि रुलउ वासीन नस्य वाह इह वाहल नाग ॥ १ ॥

६८

मंकायि वातकल स्वायुज वसयादा रुकाडिनि इइस्ववकासा धुगल ॥ हाथडाठायाहा रुंग
नसुमनि दमठि समसाग नयाव घासी घाठलमायुख ॥ ककईहा सनयूरवदास हाथः
जाठा घासी धननसी घाय घाठलनाण ॥ ६०३ ॥ सात्राधयाविकित्सा ॥ ॥ रुजयण सु
युलिकीयाड शवका भावठ
याठवसी कवका सालठ
॥ अयामागहा भाठसवः
नका कायठग घाठवसी स्वासववका सालधजिलख ॥ हासलयाहल लखननसीः
तानका सालधडीवम ॥ समान अशनुयमखालमगव लसिन यमखाल कायाव इयुवाः
समानका नकासी कठिवा कसी खनक मगव धनववका नन सालठलख ॥ ६०४ ॥ जाय

नधरुयकयाविकित्ताहाम ॥

अथपयं ननाजायनवर्यख ॥

वी ॥ माउधकल मिस्रोसायाइइननस्य लेयनयं जायनयंरुतख ॥

मिदि काकीनवाल गानका न

उसकचका ननाजायनवर्यः

जायनवर्यख ॥ एवेरुलि ल

॥ नन गठियालहा कोमालिकानवस्य भठिसकचका जेसथस्य नानाजायनवर्यख ॥

कायनवर्य ॥ सुलखायाकाग कायाव चिकुठिठ आदगनवठ ॥ सुठः

कानवस्य ॥ सुलखिलिन चवका जायलययका विविशया ॥

हाथीओजायादा नन वधुमिहाहा नरुन भेरुस थानिस

व ॥ आदगनहा लरवननस्य थेरुस लोचयं नना

खननस्य काकीनवाल गानका ननाजायलयलख

व ॥ आदगनहा लरवननस्य थेरुस लोचयं नना

खननस्य काकीनवाल गानका ननाजायलयलख

व ॥ आदगनहा लरवननस्य थेरुस लोचयं नना

खननस्य काकीनवाल गानका ननाजायलयलख

व ॥ आदगनहा लरवननस्य थेरुस लोचयं नना

खननस्य काकीनवाल गानका ननाजायलयलख

नरुन भेरुस थानिस

व ॥ आदगनहा लरवननस्य थेरुस लोचयं नना

खननस्य काकीनवाल गानका ननाजायलयलख

व ॥ आदगनहा लरवननस्य थेरुस लोचयं नना

खननस्य काकीनवाल गानका ननाजायलयलख

व ॥ आदगनहा लरवननस्य थेरुस लोचयं नना

खननस्य काकीनवाल गानका ननाजायलयलख

व ॥ आदगनहा लरवननस्य थेरुस लोचयं नना

खननस्य काकीनवाल गानका ननाजायलयलख

५९

ब्रह्मगोप्युयव गोयख्यल सखालनार्थ गोयख्यदलक ध्वननस्य रिथयीगानाग ॥
ध्वननस्य ॥ ॥ मायावालकान्य नकासाधनय कामदनकास्य अविलभूमनम ईरवाह
लेखनस्य कस्तीविरायदुताद हिवागकलमाननययका डरुमख ॥ ६३ ॥ गिनार्थय
या वायविरुष्य मात्रिया गन आदिन वालकाया वायदागजन निदानमचाया
॥ ॥ वालभाययाविकि ॥ ॥ ककटासि अगियग मुक्त विधिलि सम
लागहनयाह कस्तीनवा लरुयका सर्वनागनाग नकाधडासनयानामचव
धीवाय ॥ खेरुनिदा नखासचवका अरुहिणीयाव वालकमखासख ॥ अविलिसचाह
चक्राट कायाव खासचवका अलहिनीयाव वालकमखायका ॥ विठनव गिरुता विधि
लि समलागहन कस्तीनवालनका वालमायाटास विमिनाग ॥ मनविनि धुविधुव

[illegible]

[illegible]

[illegible]

६२५ नैत्राय सिद्धि कृतं नै ३

यत्तलखसचकनरुं नार्थक्य साइइरुं अरुनदागारुं २ थखखन छलडियव स
वावासाय श्रीखपुशक ग्यानवीचालव स्वसलस्य स्वयसनीक्य दागसा कलुवि वा
पगीलक्य स्वचकनन युग वाग यिरुं स्या क्य वमन खाउ कंकाइ डलशिव
नवाग वागदाया विषय नग कीपुशव रुसनद्यायनया सनियाग अधि
वाग साथवाग गूल अथ गन मिह कसयास्य भाउया क मिसा क कसया
क गलन्या क वावाउमश वनिस्य मनवागल यीत मंगल भाउन अग स
कय माचाम भाग धदानानाग ॥ वागवृद्धि वनवक आसा थील वालयलिगना ल
डिनमिह नयाय श्रीवनडायासिदि ॥ ॥ थलखन लखरुं २ नाइइइ २ थलख
उसन ठिकरु विषय न न वरुउ अथ माउ युमि विडिंय गलधिनि दिडुव

[illegible]

13

संख ॥ अउविष्णु ॥ त्रिपुरासुर ॥ लवदिवचमे ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥
गीतानां ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥
मना ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥
मूल ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥
लाव ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥
स्थित ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥
नवा ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥
१ ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥
६ ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥ अउविष्णु ॥

पुनर्वसु । सप्तमः । इति ।

युक्ताया रुम्ब ॥ ॥

४ साखन क १ खू म ॥

कामाल ६ कावठा वसवा

जालकलम ५८ नं०

वाल्मीकीयः ॥

[illegible]

१०८

इलवठ इजिइमि इलव

[illegible]

ग.भीर लोचनस्य दायादौ ध्यामला नक्षत्रमलादयक माह वामनालना ॥ ॥ इत्यलन ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ विष्णु लयादिक श्यामा खाती खायाद इनालीरु धागर्म उद्यामलाल खन ममल

नाम ॥ ॥ दिगकृत मिदस्य पुत्र पुत्रात् ॥ स्वयान् मु

म ३ यामलानन्दमला लंखदयक नाठ नाथना द

॥ श्रीगुरुलालाय नमः ॥ श्रीगुरुलालाय नमः ॥

...विष्णुनामसूक्तं चतुर्दश्या
...विष्णुनामसूक्तं चतुर्दश्या

[illegible]

वालन मे १६० आधुनिक ॥ ॥ मिदि स मे २ गुक माल २ याग क २ ल व ड व व २ २ ना ल

व व २ वि वि लि २ गु ० २ व कान २ का इ क २ सा ख न ८ चान क सी न वा न न वि र्द ह ल ना ॥ ॥ १६०

न का य न ध म नी सा सा व ग व नी रु व न ॥ ॥ हल वा य न य न डा व ना ठि वा डा व व ग न र्द नि वृ स

द्वारा ॥ ॥ १६० ॥ अ न वृ पु रु व ल म्बा गु धी सा मा ग नी य सी ॥ ॥ ही वा व या ना ठि वा

य ड द ड व वा वा थ थि स न य न वा ग न था था दा क र्द ज्या ग र्द सा मा न र्द नि वृ

॥ ॥ १६० ॥ न क का य ना या वि कि लो द्वा य ॥ ॥ १६० ॥ काल स गा य वा इ क र्द पु धि ल अ व

न सा ख व वि य ला मूल ख ड न न मू र्द का सी न वा ल न क ही द य ॥ ॥ ॥ १६० ॥ मि दि ले ख

न न र्द वा सी न वा न न क ही द य ॥ ॥ ॥ १६० ॥ वि वि लि गु ० २ अ न न र्द का र्द म र्द ही द य ॥ ॥

वि वि वा य इ इ न न या व या थ ही का व ॥ ॥ ॥ १६० ॥ क म्बा ल ह म ३ आ द म ३ व स ह म ३ ड म

[illegible]

धूनकनेस्य कसूनवानन यिनकाउभे द्वाददयव ७१॥ कार्भीयया चिकि साक्षा

॥ जीवि शुधि यियलि लखननस्य क्कासगर्थदावतस विनवर्ग कास या का ७१॥

शुं १० दवदावु स्वदान लिंकपुगिनि उाकांमिनि धुगवासाताह वागदलवानाय ७१॥ ३३

॥ एरुला एवगे यियलि वि यिलि यियसु धुगवानयाह साखनवातनय

धिरुहालना १॥ ॥ वा ० ग नि युज्यु सी ० पुक्कायुल थनदास्यताह वागदलवा

कालायना १॥ ६०३॥ यीय याचिविस्माक्षाय ॥ ॥ कुमूलि हावाजिनि ६०३

निदिस्सीवा नस्य यीयुना १॥ ॥ यसम ० वनकाम १२ चवान २२ अथलखनमय लः

खय १ नापखुन थचवानन दाह नदनयाह वागयाय आदिव श्याकना यियुना १॥

६०३॥ यावद्वयनया चाल इवनयु यीवाचि पुचाद्वयावाय ॥ ६०३॥ यमनदि २४६६

२ यियया २ न रवने ३

[illegible]

पुनर्य मनेन च नाउ इल खनन नाउ विर्यत मात्राक स नय वाउ व व ॥ शितर
इइ शगा न वाउ रिथान धगा य ह वा का क माल क ना य ह न वा (धन संती शुथ कूव
य ह न वा जिच वा थ मानी गिर खान स का या गाय खय न माल ख ह हा का म वा उ व
च वा वा या न ३ धन या उ च आव न वा कय माल व न सा वा उ व मा न य उ
न ली न वा चान ना ना कू उ व य वा म न व ल ख नान म न व निध य न वा क क जा
दि व व ॥ उल हा व माल हः म थि ह न वा धन धन दा व थि मूल थि म नि ह
मा य वा ध र्म ॥ ० मूल वा जान या न न या व वा वा उ वा वि वा ग चाल हा व मा ए न ल ख गा न
क धु म न व रु क उ वा वि ची कू टि वा सु ख सिद्धि ॥ १० ॥ भा वा गि ग हा र्म ग व मा ग न इ इ म
त ह य ग व मा ग न डि ग २ भा र्म इ इ खान रु म ठि सा या अ ला ग स खान न वा १० रु वा स इ इ

स्याकामिसाया यत्नन क्वायाव यथा उ अं ह स न द न च्छवान् जव इ इ ना ख व इ इ ना हु
दाव च्छवा अत्ता के ग स रिव स क्वा य हावावा या अं तु लिय च का का द न धन न इ इ सा कला
लख ॥ ॥ सीमिनि रुं वान दा उरुल त्वा उ सम का ग लख न न स्य का सी च्छा द नान का
दार्थ डार्थ माया का उ व च्छा ति ख ॥ का उ म रु ल ॥ ॥ व ना च का वि वि धं ना द न धि
वा न या व न इ इ द च्छा वि वि धि ॥ ॥ सरु द व रु म ना का उ रु डो स च स्य स व ना ग
ना ग ॥ ॥ इ उ था वि मि सि ना व रु द्वा इ स वा उ च्छा त्वा ध ल दा स्य थो ना इ
स वा ल दा स्य लुं इ य ना म रु द्वा य वा वा उ वा द या डा स न ध ॥ ॥ ना रि स र्व म न गी ल
व रु ज उ म न सी म ना ड गी न न स्य च्छा ग न का धनी च न स इ इ न न या व व र्णि नि द्वा य सी स व
हि नि मा न स इ इ ग वा ला व मि खा स वा ल का सी गी स अं ड न व र्ण व र्ण धनी वा ल मा वा य

निराङ्ग नकुमयपाठ आह स्वववडा स्थिति ॥ १॥ तातिसम १ वस नखन १ डीली १
 न कू डिनि १ सुदान १ उउवि १ पुक न्याल १ नूयक मल १ लव डवध विपनि ३ रिपलमूल ३ शि
 विरधतकहा २ उउ २ मनव २ अजभाउ २ लउनि सशिमूर निर वकन २ अजगवि २ वान २
 साखन १ नमरा वा वाउन माया वनमडा धधिगि वायस गातग्या ॥ दगला ॥
 ॥ ॥ रुजउ धिधिलि चीहा ऊगाधम समला १ नूनयाने दनस्य अग्निदीधकन
 मेश्वान ॥ ॥ पुष्पाकहा क काक उउहा का माव छाडुका नवस्य माउ नयस्य ॥ व
 गलसकाखायव नव ॥ रुगन धूम मरुव ॥ ॥ यमसइइस अयवान मान वलाया
 लावमान धनडाव अययाल याइयन चांग लवन वाय अययाल साग उ सुहागा हाग २
 गगा नवस इइ नमस्य मनि ॥ गनको गाउ विन ॥ यमवडन वाइल नका वाय व ॥ ०

[illegible]

लिमि २ स्थी ॥ २ अतिथि १ हिंदु २ स्ववाचल २ दन २ धन वून याद गय धविनी सदा समान
 गव रुसया अतिमं उया हि गव ॥ ॥ हिंदु मंद वृक्षना मूल ५ रुन ५ ५ सीधा २ वठ जी २ स्व
 वाचल २ धन वून याद मं उधान सुथ गवर्त थं जागी सदा सीता ६ धीगया ल विल अति
 मं दगा रित ॥ ॥ धीगिलि
 आ रित ॥ ॥ रुन ५ वगका
 दचक विधि ॥ ॥ धीगसः
 स्वतमनच स्वगर्त ५ वगका रागीदा काकनदा स्वावनन सी लस शव वक नि सीता ६
 दिन ३ गरु मदागं ख ॥ ॥ रुन ५ लायदा स्ववद हा धीगम १४ धान मन वगा ५ ३ धन
 लख वन लस वा द नि सी स्वका ६ गरु समदागं ख ॥ ॥ जी वि हा वा नि

मन्त्र श्रुति वैश्वक्यान्वासायुन खालियाद्यावत्तुवानन अमडासन हयकुन्तु कात्यायन
ती ककुनिस्य गानक दिन ३ अउश्वकास्य धुनेन गरुडमदात ख ॥ १ ॥ कुवायी नीचा
नदा द्रोणातहा धवात्मानहा क गाकोमिहा समसाग बाधसहास्य गाढ दिन ३ मासिक
हास्य गहसमदयक ॥ ॥ अथामागहा वतकाहा जिय धसहास्य नानक दिन ३
वाग कहाकाहा गहसिमदः यक ॥ ॥ ॥ निविहा मरहाकाहा निरुमन गहाउहा २
धग लखननस्य अउश्वका स्य दिन ३ गाढन गह गदमरुग ॥ ॥ ॥ सयावहा
पिचउहा १ खदान १ रुकाजि वि १ अनवागाउहा १ लखननस्य गान दिन १ गनी १ सय
वनन नलस अउमशस्य यानहास्य गानक ननान अउश्वक सयकावद ॥ ॥ ॥ का
लीसनाहा १ ॥ अथनादिगहा मरहासयावहा रवनकाहा वानअहा १ धरयगहास्य मा १

काथनहास्यं थइन जायनयनहास्यं थइन थयूस स्वगवानहास्यं नकी गइगदमरुग ॥
यामसखान मी १ स्वहागा १ रुकाडिनि १ थनवान स्वमला लखन रुमला दयकी खायुगिदास्य
धगीसहास्यं अउशवाकूनिस्स्यं स्वइगाढ ॥ जम्मिदिमावादमरुव धसस ॥ ६० ॥ मावाद
थकचिकोत्याहाय ॥ कायु
डववाग सीगिनावायगग
गंठिनीमिणायाव मावा ॥ थ ॥
धलवानकागहास्यं गान दिन ले जानकासाइइवाउमव मावा ॥ वउवावया कायवायक
धवानकागा ॥ ६० ॥ यइकावण मथाकवण धलितिकवण वलिकवण थयवकवण नावि
किताहास्यं ॥ ६० ॥ ॥ साकहनणयादा ग्वालवानस्यं डिमनदमरीव वादनरुयख नमि ॥

॥ ७ ॥ श्रीस्वस्त्यस्तु ॥ श्रीमहादेव कलवत निरुत्ता उगलका वडवि मुठयु यल कुमाल क
पुन अतटल वकुनस नकुलस सीम जग स्वस्वने मार्ग के थ यस्वन सतिने के आयु
हावके ॥ का न सव म ॥ ६ ॥ उल्ला यगि मी ॥ ७ ॥ अधामाग ॥ ८ ॥ अजले हलि ॥ ९ ॥ सीम मंड त विवड
॥ १० ॥ विविनवात ॥ ११ ॥ उल्ल
अधगंध धुधान मानत ध
गवड धानवावन मस ३ ध
गरवान इइवा विधिलिवा नाथ मलन योग स्य सीहावाक ॥ ॥ १२ ॥ अथामागि धू वड स
सीव सुखी वहा रुवड अति नहा कूट धन समराग यलन वावन उल्ल वृद्धिया ॥ ॥ १३ ॥
धानि ॥ १४ ॥ वाठियात हा ॥ अधगंध रुकिनाठ या धू अथामागि धामि मी ॥ धन समराग ॥ १५ ॥

धननवान्नमर्मरस्यर्थरधडासनयापुरुग, धलाप्रामहृदिकिनिवत्वायवसमंति ॥ धन
कान्निहा, धनजर्कहा, धनल, सासन, लजातुवायायाहा, ग्यालावाहा, धाविलाहा, हाका
दिवायाइइइधनयू, यिकायाव, धनडासनकूवृ, लिनकनयाव, इधनयूया, ॥ ७७ ॥ इध
ठाव, ठाइनवय, कामनमन, धनीडासन, धवअलन, काजाव, धमगय, स्वयमहाति
नी, लाकदाका, स्थीसायकावक, या, **हसिर्वध**, ॥ ॥ ॥ ग्याखानयाहा, अंभससिंया, वालः
साइइननसी, कासिधुड, लि, गसनयनय, गनकीम, इडीकनग, उलिम, ॥ ॥ इधना
महा, यीउं, वृकास्य, गस्य, नगनयाड, गनीनग, हातथु, नमैरइमसा, लि, धालान, धम
धनयाव, कुवासी, नययाय, वीसउमैमगताल, वि, इधवनमहाव, कायउन, ७७ ॥ सा
मय्या, यकनका, वीग, ॥ ॥ ॥ अकइइ, गिगखानइइ, विउमय, रीतादि, वनमसि

ऊर्ध्वोर्ध्वनयाय ॥ वनयसिंहा ॥ अल्लु ॥ स्वधीवा नण खंड ॥ पानीक ॥ यानिक ॥ जाव
कै सु सकलाव ॥ डावनथव ॥ क्रयनिथ ॥ खितिनालक ॥ जाकनाय ॥ नयाव ॥ जाक ॥ सर्व ॥ नाव ॥ डा
वनथव ॥ क्रयनी ॥ य ॥ खितिनाल ॥ डाकनाय ॥ नयाव ॥ न ॥ डाव ॥ नव ॥ वणीकन ॥
॥ डाका ॥ डाक ॥ काखकावाल ॥ ॥ डाकीकवाल ॥ वामयादका माटि ॥ जालिमलासथ ॥ ॥
॥ नथ ॥ ला ॥ डावनवालाव ॥ ॥ मलनवृगव ॥ सुनकावडा ॥ वसइय ॥ ॥ सावन ॥ ॥
॥ डाका ॥ कावडा ॥ गीवनथम ॥ लावनम ॥ डाका ॥ क्रनमथ ॥ लायडा ॥ मलनथका ॥ डाका ॥
॥ यनयाव ॥ सुठिसुठि ॥ याहनयाव ॥ डावन ॥ नवनकी ॥ वणिक्कन ॥ ॥ ॥ यववि ॥ डाका ॥
॥ नथ ॥ मलनका ॥ याव ॥ डाका ॥ वातवा ॥ नथ ॥ सुनकावडा ॥ य ॥ ॥ मनगील ॥ खादडा ॥ याहला ॥
॥ डाका ॥ नाथ ॥ नयाव ॥ सुठिवर ॥ न ॥ डाका ॥ सथनामथ ॥ डाका ॥ नयाव ॥ डाका ॥

गात्राचन स्नायादीनि चाल गनका नयाव लखन चालाव सुमाहात्रय इति उाया नामध
 ढ धमन याव खनक वस ॥ ॥ स्वग इवा ब्रव कूट गका नाय मसानन व अनामलायादी
 सुमाहात्रय इति उाया कनसनाया ढ धमनय माहानि ॥ ॥ हायादि रुनि गात्राचन धन
 तामननय कुमावी मसम नखवनाननय सुमाहानि ॥ ॥ मयुन गिखा भवा
 दुणनय माहालयमाना मसयधे ढ माठय चवीवग ॥ ॥ काखयामयव क
 टयिंयिलि आकन गाठ आत्मयुक् सद्दगय वस ॥ ॥ सगठ यनादि तदा गा
 याचन समगा गनय यननय सुसरीना उाडावस ॥ ॥ वाकायिहा वव कूट चालकय
 वीवाम आत्मयुक् धननय यननय सुनविग ॥ ॥ मनगिल रुनिवाव कूट मसमस
 दा वनयाद नक वुनव नय वीव वग ॥ ॥ अयनादि तदा वयनकय कोरु नयावय

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ जयमादनी ॥ ॥ नवकनका वस्त्रमनकजवकुचकुचमाला
मननको कायाव धमडा कडा यशना श्रीमिअ वीजीवव ॥ ॥ सीमना जंजाहा धमन नव
धउगयो उंयै कासीनाथ उंजल वसगल कचका वसइरुख ॥ ६०३ ॥ धनयन
॥ ॥ नानामक वलचिति
वी हिंदु समलान च्छादगः
न ॥ ॥ सदलाह कु उ मंडुता
वमनयडा हिंदु वकन धनमवलर्य ० समल नवद व्याद पुन्यमरुत ॥ ॥ गनवगिय
जा हिरव सी डाखवी अयामार्ग लच्छु गिरखान कानीन उगवान च्छाय खानवि धुनसम
साम डाखु लच्छु पीकालरुठान लूथ चावहि खायका न का माव यास न दिन १ धनन

वमरखानसिद्धि ॥ ॥ गीगायी सिमगाडा अरु अमाग गिगखाय कनीन धनचमरा
गयाहधुम्य विवाहिकान धरवानकायाव दायक ठाकमठावल्लभ कलसिद्धि सगख
यकादिन ॥ धननसधिरवानसिद्धि ॥ ॥ वयमयाहनगीन हाटकासकनविही हाट
कनिर्मल ॥ ॥ यरुवावि दान धुवयह गीधुदकनायकजीवव ॥ ॥ गीव
धुगालिवाल् उराखिवानख यल कामनस पाहु नयाव कायठग पुठाव दान
धुतपुनकादन हाकाकावादि यविधि ॥ ॥ पुष्पाक शङ्क वाकस हाकायाव ह
हुकानरुसी भाठसवसगव नसकाखायगव लकाउठग नसगव रुगनपुनरु
व ॥ ॥ रुविवाववाहन नयसवान नयाव शुकाहिया कसगलकाव गाठग सन
मनायक ॥ ॥ रुवगहा व नयस सदावग रु कनीमनायक ॥ ॥ वगीयलुगी स

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कपु नाका नाथं सनदनकाव नायनाद सुपुत्रकदागनयोठनर्थ नाथं निव सायव
याद वापुस इतु इतुमिगेव युज सनियोग वृद्ध साध ॥ ८ ॥ कालः कपुनिगा रुम्य स्वामः
कपुः घनायन ३। सुदः वापुग्रदकाया हनासांगयथाविग ॥ वापुः सनियोगाच्च ल
कणाश्चरुवकिन ॥ दानद
मिहाव गलसाका नाय ल
वृद्ध साध ॥ ९ ॥ सिकाटाका
गाय वलदीना दिवदले ॥ प्रिक्कग सनियार्थ काष्टसाध वलदीनः ॥ मच्छादू वलदीन
॥ १० ॥ वापुस इतु इतुमिगेव युज सनियोग वृद्ध साध ॥ कसवमनाव नाय नाव वलदीन धलिनीग
॥ ११ ॥ वापुस इतु इतुमिगेव युज सनियोग वृद्ध साध ॥ कसवमनाव नाय नाव वलदीन धलिनीग
॥ १२ ॥ वापुस इतु इतुमिगेव युज सनियोग वृद्ध साध ॥ कसवमनाव नाय नाव वलदीन धलिनीग

दा ३

[illegible]

लस्यावककथं दहः स्मालः कालः समेः ॥ हागव्यः सत्रियानाथं चक्री धीमनिघाठकाः ॥
होह्यं लुगाउमविनिवृत्तं दानगव सवहनकाव व्यागचाव यिकुपाकालि ॥ रुहवव
ससाहानवगासीहामदा साधथ्यावाठववस्यं आठस्यं श्रीसयाकावाकवव श्रननकागन
चक्रीवी सत्रियानाथयय
पवात् ॥ यस्यागा ॥ थारिः ॥
त्रियाना निरुक्तकाः ॥ नाना
नाथ व्याग नयुति मंग्व श्रीस्याका वनमाचका यनायका सत्रियाना असाध्या ॥ १० ॥ श्रीवी
रिमवकुर्तं रुधमी सानकी यन ॥ इननादागगयार्थं हिकं स्वासद्वा मनुवन ॥ यथा
यथाधिका इति गीतागः सत्रियानाक ॥ श्रीगव्यं च ॥ यथा ॥ हाहु धनवव कोदव श्रीगव्यं

वेमकीन सिद्धि वासन द्वाधादनवध कृत्यं सादृउननोदनव गीर्गागसंविदान असा
॥ १२ ॥ विदाय वचनं विदुः निडाव कल्पन ह्रवान निगुगनमनिगुगन म निगुगन
साधिका ॥ मुयुध लमसिना सानिवागस्यन दग्न ॥ विदाय रवालाववालाये द्वाधन
त्यथी जालादनमदा चत मा मदा स्वासिमदा धमदा निन वचमाववाक्यं गी
थगिरं ॥ धअग्निनाग सनिवा तथननगुयादग धअसा ॥ १३ ॥ मुखमय पुन ॥ ८२
वाला हयनयोगवधुगा ॥ रु निडार्थ विवायाग सानिवागस्यवाक विदुः ॥ तानि
वधु नगगाक सानिडीयाग रुक्मिच ॥ १४ ॥ निडवागाम दालरुदाधिका ॥ १५ ॥ द्वा
निवा लुनि वधुति सवाग दविठिनवालाथ ॥ १६ ॥ कनघ्न कनघ्नवादिद ॥ १७ ॥ धननि वकन
विदाय धनगाह वधुदग सानिवाग ॥ १८ ॥ धनवाकनसधाव ॥ १९ ॥ विवदा

[illegible]

ध्यामान मन च ॥ स्थापमानमग्न्यामानमर्थ ॥ स्थापमान यावुचि ॥ माध्यामान
 थाहू ॥ कंयु ठिया ॥ मूलनिधामान ऊदन ॥ द्वायमान साखनननच ध्यामान ला
 खादगी ॥ नातकातया गवसआमाल युवाक ॥ रुगसयामाल मनच ॥ इरीवल
 सयामान जिनिधि ॥ या इनयावाइल यरुनवाय ॥ घेव धविनन वाव
 सगान याकावव ॥ मय वरुनन रुटसन जीधुर्वग ॥ दावाला जोरुव
 दन धनिहा कलरवशि ग ॥ वीकन रुकन काकन सागर सका रुठि व
 इगस धनअदिकनय विकृतावथिजानी खन ॥ अविदाव रुटसाइइ धनगनन
 धालान ॥ दाम मिथानन ॥ मालन ॥ हिरुगवनन लान ॥ दानलन वरु याव
 नान ॥ दोस्त गननाल रुकठ विन ॥ दायाइइ गलनन रुठिवा अवान ॥ १० वनवनन रु

२०

लउन ॥ ६ ॥ ३ ॥ वाथया अत्रयानं विधिज्ञाय ॥ घात्रया कथिवाल ॥ मागं ववकाल
 नंटाकिनि वहा निनी खरमालखीमान अवनमूल चवकला धन खोला ॥ धनमान
 यातव ॥ ॥ यीगनायया कथन ॥ ककालमूल कला मयच्छुदाव सिंहाद्वकका
 वाजमसुकाण वगवृक लीगामूल वगवकनका अयामार्गका कादरस
 नखानरुन सिंघागका वृक्षमूल मूर्यरुका पुनानखकानका धनन
 व ॥ ॥ यद्वयायया का सडनमगवृह जास यिनि सुनिगामरव ॥ यडक
 काका सुसुनि रुचवानका सिठका लठिकका अठिकानका मुचननना गगनला
 ववाला धनवतला वखाला असखाला ह्यनगवावाथीरिन्द ॥ ॥ पित्तका
 वडिवाय का मलन नकाडाल धनसं स्यामाल खरमान ह्यननउवन

व
मंसी। दालीनं रंसीकिरी धात्री न आदीन शातव दुइकागव ॥ ७ ॥ मिखा नायमा
असुधुनया मेहया विदुविनायमा घालया क्काके म्ग कउम मनेव ॥ ७ ॥ यतीना
नया प्रहणीया अर्गजाधु सगो गन कखायपधाल हुव क्काग का नउयन सकनव
निहानमूल सिमनसमूल
दवायया पिरुवालसवा
नभव ॥ ॥ मनुग दालश
पिरुया गुदाजिहू ॥ ॥ अयाया जमन झूगा ॥ ॥ असन माथमनव ॥ ॥ वागि कसकनाशुग न
वा नुन सीदिका ॥ ॥ अयेक द्वादगा दन दानयु जीवने बडी ॥ ॥ दधु नयस पिवाउर
या नय द्वाय द्वाग कामनव दाया व वाससयवी र्वा कौनया वउनव ॥ ॥ वागि नय

या वागवयस्य ॥ ५ ॥ ननु ॥ कलात्मगता ॥ ६ ॥ मूल धविदा धुतनकटव ॥ १ ॥ विद्वत्स्य
 सत्त्वमल्लुचाल विरुद्धनसच्चकापुचालुगव ॥ ॥ वागवयस्य ॥ १ ॥ धुतनकटव ॥ १ ॥
 वागवयस्य ॥ १ ॥ धुतनकटव ॥ १ ॥ वागवयस्य ॥ १ ॥ धुतनकटव ॥ १ ॥
 इमकापि ॥ १ ॥ धुतनकटव ॥ १ ॥ वागवयस्य ॥ १ ॥ धुतनकटव ॥ १ ॥
 द्यायस्य सत्त्वमल्लुचाल विरुद्धनसच्चकापुचालुगव ॥ ॥ वागवयस्य ॥ १ ॥
 यद्युक्तमल्लुचाल विरुद्धनसच्चकापुचालुगव ॥ ॥ वागवयस्य ॥ १ ॥
 ननु ॥ कलात्मगता ॥ ६ ॥ मूल धविदा धुतनकटव ॥ १ ॥ विद्वत्स्य
 सत्त्वमल्लुचाल विरुद्धनसच्चकापुचालुगव ॥ ॥ वागवयस्य ॥ १ ॥ धुतनकटव ॥ १ ॥
 वागवयस्य ॥ १ ॥ धुतनकटव ॥ १ ॥ वागवयस्य ॥ १ ॥ धुतनकटव ॥ १ ॥
 इमकापि ॥ १ ॥ धुतनकटव ॥ १ ॥ वागवयस्य ॥ १ ॥ धुतनकटव ॥ १ ॥
 द्यायस्य सत्त्वमल्लुचाल विरुद्धनसच्चकापुचालुगव ॥ ॥ वागवयस्य ॥ १ ॥
 यद्युक्तमल्लुचाल विरुद्धनसच्चकापुचालुगव ॥ ॥ वागवयस्य ॥ १ ॥

हं मेन कद्वदीयैतमध्यागः। गतं शुक्तिदिर्वेवाग। कलाकवन्दिददिनीताथिसलाथा।
ला। हं मेन अउ स ग्लम कलास्य विरुमध्यास वाग अकन स या गि या कन जा चलायन
॥ ॥ गि न माघ कला गुणी विहादावनिलमध्यागः। अक कद्व न संसर्ग कयात कन न सु
था ॥ सला वगला गिलिन
कलथिव ॥ २॥ वसक वेग
नी उरु गेधन ॥ चतुगिल
पिह अने न सवस्य कलथिव ॥
नानि सवस्य विधिचन ॥ गय कलादिगलागी अउ स ग्लम कलास्य विरुमध्या
स ग्लम कन सवस्य नायथिव ॥ ४ ॥ चतुगिल कलादिगु विहादावनिलमध्याग ॥ क

२१

[illegible]

वातमा थपयितुं विरु मा ददयत् । अथ वा एतस्य वा सुमवा इति ॥
 जोरु रुद्रि पि दावकाय । वायु यावु पिरुकाय । याइ वाक् । सप्तकाय । निगाव सना
 नदाव ॥ ॥ आमा गाय वरु खानि दोषे ल्या दधि विकथम् । अत्रा यडी सुभा उच मज्जा
 पुगिका र्दिगः ॥ आमा सय सचाग्नि अग्नि इष्टन शस्याव अत्र बाउ डि सुश्या
 य नरु स्य इव आमवाय ॥ ॥ मद्यो कुक्ष्य वा जागा दानः सामविमथ
 नः । वमने वमनादस्य गुरु मिषादवा २४ ॥ गुरु कनन नया डि सुमशस्य दा
 त्त आध विगणयण जाय वय यदाव धान काय पुगक वास्य वागुरु न ह्यथा ॥
 असक्तकालितः साध्य मास्य भदा गतयय ॥ सरुने शभि न गृही सुदय को दन चवनः
 चवन दपु निदी गच्छ इष्टन गस्य जीवित ॥ शुआमवक न वीता ले साध सीस गगह

समाधौ आत्मा मया युष्माकं यथा न जानाति निधानवत् स्यात् यथा न जानाति वने हि न व
निधानं ॥ अग्निदानं धनं उग्रदवहं नडाव स्वायत्तमजीव ॥ ॥ उवाचा ॥ अग्निः साध
ः कृष्णः ॥ अग्निदायकाः ॥ अग्निदाया इव सीमन् मसाधः ॥ यान्ती ॥ ॥ अग्निदायकानां लब्धं
यनं साधु ॥ अग्निदायकानां लब्धं यनं साधु ॥ ॥ अग्निदायकानां लब्धं यनं साधु ॥ ॥
कथं यथा विवर्णयः अथ मृ
इति नाना यववन्ति प्रागान् ॥
मया कथयन्ता यनं ॥ इति मया न जानाति मया न जानाति मया न जानाति ॥
मया न जानाति मया न जानाति मया न जानाति मया न जानाति ॥
मया न जानाति मया न जानाति मया न जानाति मया न जानाति ॥
मया न जानाति मया न जानाति मया न जानाति मया न जानाति ॥

घन मिखादिमलम ॥ वी नका वना ॥ जनचमदतसा ॥ अय कायन ॥ २५ सता दातसा
 त्रिदाखकायसमे ॥ ७ ॥ मृइष्टवकवद्या वि मृइष्टयाचमयड ॥ गीकुलीकुंवरसेवडी
 दानिर्विदयवावथेन ॥ आचननायुक्तमाल ॥ डामननायुक्तमाल ॥ नायकुं वस्यवमकावडा
 मयपुत्रातकुंयकनागिया ॥ पुवालयाक ॥ ॥ मृवमविष विदकुंम पुकाव
 व ॥ डीगमविष लुमकुंम ॥ पुकावमव ॥ ॥ गनिमयाजाडा ॥ अमि ॥ आगया ॥ २६
 नाडापुवन ॥ वागयावपु ॥ नील पिरुयावपुयीग ॥ अमया ॥ अगवपु ॥ सानि
 वागया ॥ वाहपु ॥ वागाधिकासुवत्मा ॥ अमप्रवदनिपिरुला ॥ अककाय विवागाठिम
 निमान ॥ दानाष्टान ॥ वागाधिकाइजया ना ॥ उदाथा लासवदनयिव ॥ विहाविमयाहुव ॥ २६
 वासवदनयिव ॥ अमयाधिकाया ॥ लिदम ॥ वातासवदनयिव ॥ इंदुयापुठिम वद
 योयकुं मिसनीन स्या ॥ पाहामून ॥ वायुना ॥ तथा ॥ अयसनी नाही ॥ जावत्याहामि संस्किता ॥

२६

२६

[illegible]

चान्तराभ्यर्चनं नृपसुसक्तवाचां गन्तव्यं सर्वसर्पवदाम्यहं ॥१॥ अथाप्युतायदीविषुद
धुयाः शिवकर्मैर्ध्वजानां स्मरतिर्य्य वाधेन विनाशयेत् ॥२॥ वसायनजसिद्धिमा
दवानां ममृतायमं । सदहाकननागानां शेषकमिदमस्तूत ॥३॥ धनं कविदिवा दातुं कृतं
गिराजतथास्त्रिभो नृपकन
धोसंबुद्धं लावाला लावडाद
निमिगिष्टा मुनिनाजनाह
नसखवाकन अमृतं रुक्मकुडोदधं ॥ दानेन च महादवी गृह्येयथा गथा पुनः । गात्र
कुरुवमीदृशं शेषकममृतायमं ॥ उग्नसखवाकन आहवस्य नृडावह ॥ सखा मय
कुरुवाधि सवता मुगमोषधं ॥ विद्यामि बुद्धन जन्तु गिरिनयं वलनय ॥ निषरु सखवाव

न जाककुदसुमाभिना ॥ कनकाक्षस्य हानन ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥
स्य स्वनामुगमौषधं ॥ तद्यथा ॥ खटखट खटखट विमल विलंब यजवन खटु चलन अ
मुगनिर्घाविस्त्राहा ॥ यानडा विरुडा नागा ॥ यानडा सत्रियानडा ॥ निरुगा सत्रियानडा ॥
निरुगा सत्रियानडा ॥ निरुगा सत्रियानडा ॥ निरुगा सत्रियानडा ॥ निरुगा सत्रियानडा ॥

रुद्रनठ मंठ वरुनठ ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥
कगल ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥
सासज ॥

वन ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥
अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥
अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥ अथैकाग्र्यस्य ॥

हिन्दु निसादि

॥ यत्र यथा मनववा नस्य नानकं धानववया ही जव ॥ ॥

नकयुष्टी वादा मनववानक (अलि वाल्या लिख ॥ ॥ चनसकानहनहा मन

नानक (अलि वाल्या ॥ ॥ गवगलवानहा मनववा डाड्डावाला

लिख ॥ ॥ कासखा वादाहानय वाकानिवालनका हिक्काया लिख ॥ ॥

॥ यियलि का ॥ ॥ अस्यानाद लक्षया लिख ॥ ॥ हिमु मंड सथे कव मनववा

शुभिका यियलि का ॥ चगकावा यमर वालका पुष्कनामूलका रुनका अमलका

वरुनका दादविका धनरुद्रका दावडा दालन मामला धयापुला यनिरुद्र

मावाला रुसन वसमल धन ॥ ॥ लिख ॥ ॥ ॥ ॥ लालका थनराल यमलाका

१०१ विग काल
 १०२ विग काल
 १०३ विग काल
 १०४ विग काल
 १०५ विग काल
 १०६ विग काल
 १०७ विग काल
 १०८ विग काल
 १०९ विग काल
 ११० विग काल

१०१ कासलीय
 १०२ कासलीय
 १०३ कासलीय
 १०४ कासलीय
 १०५ कासलीय
 १०६ कासलीय
 १०७ कासलीय
 १०८ कासलीय
 १०९ कासलीय
 ११० कासलीय

१०१ अग्निम
 १०२ अग्निम
 १०३ अग्निम
 १०४ अग्निम
 १०५ अग्निम
 १०६ अग्निम
 १०७ अग्निम
 १०८ अग्निम
 १०९ अग्निम
 ११० अग्निम

१०१ विग
 १०२ विग
 १०३ विग
 १०४ विग
 १०५ विग
 १०६ विग
 १०७ विग
 १०८ विग
 १०९ विग
 ११० विग

१०० शुकदाय १०० ३५ वायु
 १०० यनतया १०० ३६
 १०० निनि १०० ३७
 १०० विनि १०० ३८
 १०० कपुनवान १०० ३९
 १०० अघविह १०० ४०
 १०० कनस १०० ४१
 १०० नपुह १०० ४२
 १०० विगर्व १०० ४३
 १०० निनाववाक १०० ४४
 १०० वाउहाक १०० ४५
 १०० सिद्धि १०० ४६
 १०० ममूलीका १०० ४७
 १०० गवशक १०० ४८
 १०० कडवाग १०० ४९
 १०० ककशूल १०० ५०

१०० मुस्तभाग १०० ५१
 १०० ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६०
 १०० नानाभाग १०० ६१
 १०० ननभाग १०० ६२
 १०० ननाजायताया १०० ६३
 १०० निनुभाग १०० ६४
 १०० लेनुभाग १०० ६५
 १०० विवचाल १०० ६६
 १०० डाकनख १०० ६७
 १०० ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८०
 १०० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

५२) श्री रामायण

॥ ५७ ॥ कृतद ॥ सविवा

ब्रह्म संहिता

三 寶 經

[illegible]

... निदायदुमा ... मयिदस ... वृमाचक्र दिव्यमा ...
 ... अग्निसानसेनमयली यधुनाथरा ... सीनाति सम ...
 ... किमिनायरा कहेली धतरवृद्धेन ॥ ॥ हृद मं ३५३ ॥ कु ...
 ... नं ३ मनेव मं ... सिपिमं २ वितक ह म ... मिम निमं २ वर ...
 ... विमं ५ वानवि ... न मनमं ३ धन क्र ख ३ कचि पु १ ५३ कस्या ल म ३ ...
 ... न स्व क न म सा ... न लिलेय न धतिसं किं ल ॥ ॥ अउ स ...
 ... न न क अति म्व द ... सा र्थ गि ल ॥ न क वन्दन ॥ ५० कि मि दि ...
 ... न सा यिक न ... दिन गायन य क ह यानां कि ल ॥ ॥ मुदिपा ...
 ... नि वि क न पु १ न ख पु २ क ह यानां कि ल ॥ ॥ मुदिपा ...
 ... सा र्व न पु १ ० ॥ व न ति ह २ धन पु १ ० ॥ यिप नि पु १ २ जि नि पु २ ५३ ॥

[illegible]

१२ वा नादः ॥ मनव नावा ४ विव निगाना ४ उति नावा ४ विव नावा ४ व ना ४ वि
न निगाना ४ व व हुता ४ नि निगाना ४ सारवन वृ २ धन वृ २ क क ० वृ १ ध
गून वृ ० सा क क क क क क ॥ १२ विं वा नि मं ३ विव ना मन मं ३ सि वि
मं ३ विव क क म ३ उति
वृ २ सा इ इ क क १ वा वा ३
व वा म ३ वा गून वा ना
व स ना व न म ३ उति क क १ म ३ विव ना क १ म ३ म ३ ४ मं मं नि म ३ उति
नि म ३ उति क क ३ नि म ३ १ व दि धान य क य नि म ३ म ३ हि न दि ज ३ इ ध का म म ३
१ रु मं ग ना म ३ म ३ र ३ य नि वा ज क ॥ लो ज ना क क ति शी
१ म ३ व उ य द व ३ लो ज ना व न य न व म ३ म ३ ३ म ३ व ३

२६ प्रालम्भः ॥ कुरु मीमांसा ॥ इति मीमांसा ॥ सायविधायाव यस्मिन्नावना वदयक वावा
 सयकन वाय ॥ हनउमीसा ॥ मिचकि सि मीमांसा ॥ जना मीमांसा ॥ नकाचंदन मीमांसा ॥ वाखट्टदा म
 हा मीमांसा ॥ कन वलि स्वालद मीमांसा ॥ मनसिन मीमांसा ॥ यमकावे मनच मीमांसा ॥ विचिलि मीमांसा ॥ शुचिम
 मीमांसा ॥ जिनिम मीमांसा ॥ दकाजिनिम मीमांसा ॥ सादत मीमांसा ॥ दूयक मीमांसा ॥ वेसपाचत मीमांसा ॥ नवदत्त
 मीमांसा ॥ लवद मीमांसा ॥ सुकाम मीमांसा ॥ मयथा ॥ मय कश्चि मीमांसा ॥ वकन कठि ॥ समुद्र दीप्ति
 धन नायद्वन ॥ ध्यायुष यकवि ना न वाकन वाननवव ककुयाजि म ॥

१०२

२६

२६

२६

२६

२६

२६

२६

२६

नकातिसान॥ वर्षे ११ गुरु सुख गमा॥ वर्षे १२ म हा ना ग पि दा॥ वर्षे १३ धन भा न ना
सुख न सुख न ना॥ वर्षे १४ यदि न म य मि प न मि च य ना मि॥ वर्षे १५ नि जी व नी॥ विष्णु न न क स
१६ पा॥ दे स वा हा ॥ द व डा गी म म स त्व॥ वर्षे १७ आ न न ग वि न पि दा॥ क रू ना ग॥ वर्षे १८ आ ना मि न
ग रू म ना ग॥ वर्षे १९ मा स र ना मा दि ना र॥ वर्षे २० वि ड रू शी न॥ वर्षे २१ मा स र सो रू थो॥ वर्षे २२ वा दि स कि॥ व
दि न ना र॥ वर्षे २३ म थ म द ण॥ वर्षे २४ मा स र आ न न र ना ग॥ वर्षे २५ ग म द ण॥ वर्षे २६ की ना र॥ रू व न न स
द ण॥ वर्षे २७ मा स र व रू ग रू य॥ न रू सा न॥ वर्षे २८ सा रू म्भ व न॥ वर्षे २९ मा स र रू सा रू म्भ वि व रू
म न्वा रू य मि॥ वर्षे ३० वि या व न ध न ग मा॥ वर्षे ३१ र म ना त र्थ स या मि॥ वर्षे ३२ मा स र म थ म द ण॥ वर्षे ३३ मा स
न रू नि॥ वर्षे ३४ की या फी नि मि ना र॥ वर्षे ३५ मा स रू नि मि ति न रू रू रू ग॥ वर्षे ३६ ना रू रू य॥ वी न रू रू
मा॥ वर्षे ३७ सु स ग म न॥ वर्षे ३८ ध न रू रू दि हा नि॥ वर्षे ३९ मा स रू रू रू रू य ध न ग मा॥ वर्षे ४० ग न रू रू म रू
रू रू य॥ वर्षे ४१ सा सा क ना रू रि न॥ वर्षे ४२ मा स रू म थ म द ण॥ वर्षे ४३ रू न क रू थो थ ना रू॥ वर्षे ४४ की
रू म हा रू रू रू गी॥ वर्षे ४५ वा स ग म न रू रू रू॥ वर्षे ४६ स म वि या दि ना रू॥ वर्षे ४७ नि सा का रू रू रू न॥

दश प्रकृत १०

दश प्रकृत वि २०

दश प्रकृत वि ३०

दश प्रकृत वि ४०

दश प्रकृत वि ५०

दश प्रकृत वि ६०

दश प्रकृत वि ७०

दश प्रकृत वि ८०

दश प्रकृत वि ९०

दश प्रकृत वि १००

प्रकृत ११

प्रकृत २२

प्रकृत ३३

प्रकृत ४४

प्रकृत ५५

प्रकृत ६६

प्रकृत ७७

प्रकृत ८८

प्रकृत ९९

प्रकृत १००

प्रकृत ११

प्रकृत २२

प्रकृत ३३

प्रकृत ४४

प्रकृत ५५

प्रकृत ६६

प्रकृत ७७

प्रकृत ८८

प्रकृत ९९

प्रकृत १००

२० गाल वामह १२

३ विनो अथानह १७

४ कालि वव विसर

५ यश्च निस ३०

६ वृक्ष वृक्ष निस ३०

७ साथं वृक्ष निस ३२

८ साथं अथ वानिस ३३

९ नवी वउपन ११

१० दक्षिण निस ०

साथपय कसाय १

साथरुगने वउउह १५

साथनिसा प्रक विस २१

साथकालि अथानिस २७

साथपयश्च वव निस ३२

साथवृक्ष वृक्ष निस ३२

साथसाथं नव वानिस ३२

साथसाथं वृक्ष न १८

साथनवी विनो ३३

साथदक्षिण निस १०

१२ वृक्ष वृक्ष १०

साथरुगने सा नह १०

साथनिसा वव विस २१

साथकालि निवलि स २२

साथपयश्च कालि स ३०

साथवृक्ष अथ वानिस ३२

साथसाथं वृक्ष न १८

साथसाथं वव सवि ३३

साथनव वृक्ष नि १२

साथदक्षिण सावि ३०



